SSC
EXAM

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

दिल्ली पुलिस
हेड कांस्टेबल

LATEST EDITION

HANDWRITTEN NOTES

भाग - 1 सामान्य अध्ययन

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

दिल्ली पुलिस हेड कांस्टेबल

STAFF SELECTION COMMISSION

भाग – I

सामान्य अध्ययन

प्रस्तावना

*प्रिय पाठकों, प्रस्तुत नोट्स "**दिल्ली पुलिस हेड कांस्टेबल**" को एक विभिन्न अपने अपने विषयों में निपुण अध्यापकों एवं सहकर्मियों की टीम के द्वारा तैयार किया गया है / ये नोट्स पाठकों को **कर्मचारी चयन आयोग (SSC),** द्वारा आयोजित करायी जाने वाली परीक्षा "**दिल्ली पुलिस हेड कांस्टेबल**" भर्ती परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगें /*

अंततः सतर्क प्रयासों के बावजूद नोट्स में कुछ कमियों तथा त्रुटियों के रहने की संभावना हो सकती है / अतः आप सूचि पाठकों का सुझाव सादर आमंत्रित हैं/

प्रकाशकः

INFUSION NOTES

जयपुर, 302017 (RAJASTHAN)

मो : 01414045784, 8233195718

ईमेल : contact@infusionnotes.com

वेबसाइट : http://www.infusionnotes.com

Whatsapp link - https://wa.link/7rmac6

Online Order link - https://bit.ly/3bBhp0X

मूल्य : ₹	**संस्करण : नवीनतम**

प्राचीन भारत का इतिहास

1. सिन्धु घाटी सभ्यता 1
2. वैदिक काल 4
3. बौद्ध धर्म, जैन धर्म, शैव धर्म, 9
4. महाजनपद काल 15
5. मौर्य काल एवं मौर्योत्तर काल 16
6. गुप्त काल एवं गुप्तोत्तर काल 20
7. कुषाण वंश एवं सातवाहन राजवंश 24

मध्यकालीन भारत

1. अरबों का सिन्ध पर आक्रमण 26
2. दिल्ली सल्तनत के प्रमुख राजवंश 28
3. भक्ति एवं सूफी आंदोलन 39
4. बहमनी एवं विजयनगर साम्राज्य 43
5. मुगल साम्राज्य (1526 - 1707 ई.) 46

आधुनिक भारत का इतिहास

1. यूरोपीय कम्पनियों का आगमन 55
2. मराठा साम्राज्य 61
3. अंग्रेजों की राजनीतिक एवं प्रशासनिक नीतियाँ 63

4. 1857 की क्रांति से पूर्व के जन आंदोलन 71
5. भारत में राष्ट्रीय जागरण या आंदोलन 76
6. गाँधी युग और असहयोग आंदोलन 80
7. क्रांतिकारी आंदोलन से आजादी तक 86
8. पड़ोसी देशों से भारत के सम्बन्ध 90

भारतीय संस्कृति

1. भारत के प्रमुख शास्त्रीय नृत्य / नर्त संस्कृति के कुछ महत्वपूर्ण विषय 93
2. भारतीय चित्रकला 96
3. भारतीय नृत्य कलाएँ 97
4. मुगलकालीन प्रमुख इमारतें 100

भारत का भूगोल

1. सामान्य परिचय 104
2. भौतिक विभाजन 107
3. नदियाँ एवं झीलें 113
4. जलवायु 120
5. कृषि (agriculture) 121
6. मृदा / मिट्टी 130
7. प्राकृतिक वनस्पतियाँ 132

8. प्रमुख खनिज एवं ऊर्जा संसाधन 135
9. उद्योग (Industry) 140
10. परिवहन तंत्र 145

विश्व भूगोल 150

- ब्रह्माण्ड एवं सौरमंडल
- महाद्वीप एवं महत्वपूर्ण स्थान
- जलसन्धियाँ
- पर्वत (Mountains) एवं पठार

भारतीय अर्थव्यवस्था

1. अर्थशास्त्र की मूलभूत अवधारणाएँ 170
2. राष्ट्रीय आय और उत्पाद 171
3. मुद्रा एवं बैंकिंग 173
4. बजट एवं बजट निर्माण 176
5. कर TAX 179
6. केंद्र सरकार की योजनाएँ 180
7. गरीबी एवं बेरोजगारी 185

<u>संविधान</u>

1. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि भारत का संवैधानिक विकास 187
2. संविधान सभा 190
3. संविधान की विशेषताएं 193
4. संघ एवं इसका राज्य क्षेत्र 196
5. भारतीय नागरिकता 197
6. मौलिक अधिकार 199
7. नीति निदेशक तत्व (DIRECTIVE PRINCIPLES of State Policy) 202
8. राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति 204
9. भारतीय संसद (विधायिका) 208
10. प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद् 215
11. उच्चतम न्यायालय 216
12. राज्य कार्यपालिका 218
13. मुख्यमंत्री, राज्य महाधिवक्ता, राज्य विधानमण्डल 220
14. उच्च न्यायालय 226
15. पंचायती राज 230
16. निर्वाचन आयोग 235
17. नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक 236
18. नीति आयोग 237
19. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग 238
20. संविधान संशोधन 239

- महत्वपूर्ण दिवस
- विश्व के प्रमुख देश, राजधानी एवं उनकी मुद्राओं की सूची
- पुस्तक एवं लेखक
- भारत में प्रथम पुरुष
- भारत में प्रथम महिला
- भारत का निम्न क्षेत्रों में प्रथम एवं द्वितीय स्थान
- भारत में प्रमुख पुरस्कार एवं सम्मानित व्यक्ति
- विश्व के प्रमुख संगठन और उनके मुख्यालय –
- भारत के प्रमुख संस्थान एवं उनके मुख्यालय
- आविष्कार-आविष्कारक
- भारत के प्रमुख खेल
- राष्ट्रीय खेल पुरस्कार
- भारत में विश्व धरोहर स्थल
- भारत के राजकीय पशु पक्षी , वृक्ष और फूल की सूची
- केंद्र शासित प्रदेश और उनकी राजधानियों की सूची : Union Territories,
- स्थलों / शहरों / अभियानों के परिवर्तित नाम
- 2019 - 21 में भौगोलिक संकेत (GI Tags) प्राप्त उत्पाद

प्राचीन भारत का इतिहास

अध्याय – 1
सिन्धु घाटी सभ्यता

- यह दक्षिण एशिया की प्रथम नगरीय सभ्यता थी ।
- इस सभ्यता को सबसे पहले हड़प्पा सभ्यता नाम दिया गया ।
- सबसे पहले 1921 में हड़प्पा नामक स्थल की खोज दयाराम साहनी द्वारा की गई थी।
- सिन्धु घाटी सभ्यता को अन्य नामों से भी जानतें हैं ।
- सैंधव सभ्यता- जॉन मार्शल के द्वारा कहा गया
- सिन्धु सभ्यता - मार्टियर व्हीलर के द्वारा कहा गया ।
- वृहत्तर सिन्धु सभ्यता – ए. आर-मुगल के द्वारा कहा ।
- सरस्वती सभ्यता भी कहा गया ।
- मेलूहा सभ्यता भी कहा गया ।
- कांस्यकालीन सभ्यता भी कहा गया ।
- यह सभ्यता मिश्र एवं मेसोपोटामिया सभ्यताओं के समकालीन थी।
- इस सभ्यता का सर्वाधिक फैलाव घग्घर हाकरा नदी के किनारे है। अतः इसे सिन्धु सरस्वती सभ्यता भी कहते हैं ।
- 1902 में लॉर्ड कर्जन ने जॉन मार्शल को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग का महानिदेशक बनाया।
- जॉन मार्शल को हड़प्पा व मोहनजोदड़ों की खुदाई का प्रभार सौंपा गया।
- 1921 में जॉन मार्शल के निर्देशन पर दयाराम साहनी ने हड़प्पा की खोज की।
- 1922 में राखलदास बनर्जी ने मोहनजोदड़ों की खोज की।
- हड़प्पा नामक पुरास्थल सिन्धु घाटी सभ्यता से सम्बद्ध हैं ।
- 20 सितम्बर 1924 को जॉन मार्शल ने द इलस्ट्रेटेड लन्दन न्यूज' के माध्यम से इस सभ्यता की खोज की घोषणा की।

सिन्धु सभ्यता की प्रजातियाँ —

- प्रोटो-आस्ट्रेलायड - सबसे पहले आयी
- भूमध्यसागरीय - मोहनजोदड़ों की कुल जनसंख्या में सर्वाधिक
- मंगोलियन – मोहनजोदड़ों से प्राप्त पुजारी की मूर्ति इसी प्रजाति की है ।
- अल्पाइन प्रजाति ।

सिन्धु सभ्यता की तिथि

- कार्बन 14 (C^{14}) - 2500 से 1750 ई.पू.
- व्हिलेर - 2500-1700 ई.पू.
- मार्शल - 3250-2750 ई.पू.

इस सभ्यता का विस्तार

- इस सभ्यता का विस्तार पाकिस्तान और भारत में ही मिलता है।

पाकिस्तान में सिन्धु सभ्यता के स्थल

- सुत्कांगेडोर
- सोत्काकोह
- बालाकोट
- डाबर कोट

सुत्कांगेडोर- इस सभ्यता का सबसे पश्चिमी स्थल है जो दाश्क नदी के किनारे अवस्थित है। इसकी खोज ऑरेल स्टाइन ने की थी।

- सुत्कांगेडोर को हड़प्पा के व्यापार का चौराहा भी कहते हैं ।

भारत में सिन्धु सभ्यता के स्थल,

- **हरियाणा-** राखीगढ़ी, सिसवल कुणाल, बनावली, मितायल, बालू
- **पंजाब –** कोटलानिहंग खान चक्र 86 बाड़ा, संघोल, टेर माजरा
  रोपड़ (रूपनगर) - स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद खोजा गया पहला स्थल
- **कश्मीर** - माण्डा
  चिनाब नदी के किनारे
  सभ्यता का उत्तरी स्थल
- **राजस्थान** - कालीबंगा, बालाथल
  तरखान वाला डेरा
- **उत्तर प्रदेश**- आलमगीरपुर
  सभ्यता का पूर्वी स्थल
  - माण्डी
  - बड़गाँव

- हलास
- सनौली

- **गुजरात**
  धौलावीरा, सुरकोटड़ा, देसलपुर रंगपुर, लोथल, रोजदिख्खी, तेलोद, नगवाड़ा, कुन्तासी, शिकारपुर, नागेश्वर, मेघम प्रभासपाटन भोगन्नार

- **महाराष्ट्र**- दैमाबाद

सभ्यता की दक्षिणतम सीमा
फैलाव- त्रिभुजाकार
क्षेत्रफल- 1299600 वर्ग किलों मीटर

प्रमुख स्थल एवं विशेषताएँ

- **हड़प्पा**
  रावी नदी के किनारे पर स्थित इस स्थल की खोज दयाराम साहनी ने की थी । खोज - वर्ष 1921 में
  उत्खनन-
- 1921-24 व 1924-25 में दयाराम साहनी द्वारा ।
- 1926-27 से 1933-34 तक माधव स्वरूप वत्स द्वारा
- 1946 में मार्टीयर ह्वीलर द्वारा
- इसे 'तोरण द्वार का नगर तथा 'अर्द्ध औद्योगिक नगर' कहा जाता है।
- पिगट ने हड़प्पा एवं मोहनजोदड़ों को इस सभ्यता की जुड़वा राजधानी कहा है। इन दोनों के बीच की दूरी 640 किलोमीटर है ।
- 1826 में चार्ल्स मैसन ने यहाँ के एक टीले का उल्लेख किया, बाद में उसका नाम ह्वीलर ने MOUND-AB दिया।
- हड़प्पा के अन्य टीले का नाम MOUND-F है ।
- हड़प्पा से प्राप्त कब्रिस्तान को R-37 नाम दिया ।
- भारत में चाँदी की उपलब्धता के प्राचीनतम साक्ष्य हड़प्पा सभ्यता से मिलते हैं ।
- यहाँ से प्राप्त समाधि को HR नाम दिया
- हड़प्पा के अवशेषों में दुर्ग, रक्षा प्राचीन निवास गृह चबूतरा, अन्नागार तथा ताम्बे की मानव आकृति महत्त्वपूर्ण हैं ।

मोहनजोदड़ों

- सिन्धु नदी के तट पर मोहनजोदड़ों की खोज सन् 1922 में राखलदास बनर्जी ने की थी। उत्खनन - राखलदास बनर्जी (1922-27)
  - मार्शल
  - जे.एच. मैके
  - जे.एफ. डेल्स
- मोहनजोदड़ों का नगर कच्ची ईटों के चबूतरे पर निर्मित था।
- मोहनजोदड़ों सिन्धी भाषा का शब्द, अर्थ- मृतकों का टीला मोहनजोदड़ों को स्तूपों का शहर भी कहा जाता है।
- बताया जाता है कि यह शहर बाढ़ के कारण सात बार उजड़ा एवं बसा।
- यहाँ से यूनीकॉर्न प्रतीक वाले चाँदी के दो सिक्के मिले हैं ।
- वस्त्र निर्माण का प्राचीन साक्ष्य यहाँ से मिलता है। कपास के प्रमाण - मेहरगढ़
- सुमेरियन नाव वाली मुहर यहाँ से मिली है।
- मोहनजोदड़ों की सबसे बड़ी इमारत संरचना यहाँ से प्राप्त अन्नागार है। (राजकीय भण्डारागार)
- यहाँ से एक 20 खम्भों वाला सभा भवन मिला है। मैके ने इसे 'बाजार' कहा है।
- बहुमंजिली इमारतों के साक्ष्य, पुरोहित आवास, पुरोहितों का विद्यालय, पुरोहित राजा की मूर्ति, कुम्भकारों की बस्ती के प्रमाण भी मोहनजोदड़ों से मिले हैं ।
- मोहनजोदड़ों का शाब्दिक अर्थ मृतकों का टीला है ।
- मूर्ति पूजा का आरम्भ पूर्व आर्य काल से माना जाता है ।
- बड़ी संख्या में कुओं की प्राप्ति ।
- 8 कक्षों वाला विशाल स्नानागार भी यहीं से प्राप्त हुआ हैं ।

कालीबंगा-

- कालीबंगा की खोज अमलानन्द घोष द्वारा गंगानगर में की गयी थी ।
- सरस्वती नदी (वर्तमान घग्घर के तट पर)
- कालीबंगा वर्तमान में हनुमानगढ़ में है ।
- उत्खनन - बी.बी लाल, वी. के. थापड़ 1953 में
  कालीबंगा - काले रंग की चूड़ियाँ
- कालीबंगा - सैंधव सभ्यता की तीसरी राजधानी
- कालीबंगा से एक साथ दो फसलों की बुवाई तथा जालीदार जुताई के साक्ष्य मिले हैं ।
- कालीबंगा से प्राप्त दुर्ग दो भागों में बंटा हुआ- द्विभागीकरण है ।

- मगध का संस्थापक वृहद्रथ
- वास्तविक संस्थापक - बिम्बिसार

दो राजधानियों वाले महाजनपद

- कौशल
- अवन्ती
- पांचाल
- गान्धार व कम्बोज से गुजरने वाला पथ उन्तरापथ कहलाता था।
- बौद्ध ग्रन्थ के अगुन्तरनिकाय में सोलह जनपदों की सूचि मिलती है ।
- पाणिनि की अष्टाध्यायी में महाजनपदों की सूची 22 बतायी गई है ।
- बौद्ध ग्रन्थ महावस्तु में सात महाजनपदों का उल्लेख है ।
- ई.पू. छठी शताब्दी में मुद्रा प्रणाली का उदय हुआ ।

अध्याय – 5

मौर्य काल एवं मौर्योत्तर काल

राजनीतिक इतिहास

- शासन काल चतुर्थ शताब्दी ई.पू. से द्वितीय शताब्दी ई.पू. तक (321-185 ई.पू)
- स्थापना चन्द्रगुप्त मौर्य द्वारा आचार्य चाणक्य (विष्णुगुप्त) के सहयोग से। (मगध में) की ।
- मौर्य शासन से पहले मगध पर नंद वंश के शासक धनानन्द का शासन था।
- मौर्य राजवंश ने लगभग 137 वर्ष तक भारत में राज किया ।
- राजधानी पाटलिपुत्र (पटना)
- साम्राज्य 52 लाख वर्ग किलोमीटर तक फैला हुआ था।

आचार्य चाणक्य

- जन्म तक्षशिला में (आचार्य)
- अन्य नाम विष्णुगुप्त, कौटिल्य
- चन्द्रगुप्त का प्रधानमंत्री तथा प्रधान पुरोहित आचार्य चाणक्य थे ।
- पुराणों में चाणक्य को "द्विजर्षम" कहा गया है जिसका मतलब है श्रेष्ठ ब्राह्मण
- चन्द्रगुप्त मौर्य की मृत्यु के बाद भी बिन्दुसार के समय भी प्रधानमंत्री बना रहा (कुछ समय के लिए)
- चाणक्य तक्षशिला विश्वविद्यालय में आचार्य रहे थे।
- इन्होंने अर्थशास्त्र नामक पुस्तक की रचना की ।
- अर्थशास्त्र मौर्यकालीन साम्राज्य की राजव्यवस्था एवं शासन प्रणाली पर प्रकाश डालता है।
- अर्थशास्त्र में 15 अधिकरण तथा 180 प्रकरण हैं ।

चन्द्रगुप्त मौर्य (321 – 298 ई.पू.)

- चन्द्रगुप्त मौर्य 321 ई.पू. धनानन्द को हरा कर मगध का शासक बना।
- इसने सिकन्दर के उत्तराधिकारी सेल्यूकस को भी हराया था।
- सेल्यूकस की पुत्री हेलन का विवाह चन्द्रगुप्त मौर्य के साथ हुआ।
- उपाधियाँ - पाटलिपुत्रक (पालिब्रोथस)
- भारत का मुक्तिदाता
  - प्रथम भारतीय साम्राज्य का संस्थापक

नोट – प्रिय पाठकों ,यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"दिल्ली पुलिस हेड कांस्टेबल – 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 9694804063, 8504091672, 8233195718, 9887809083

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)

RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

& Many More Exams

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें- 8233195718, 9694804063, 8504091672, 9887809083

ONLINE ORDER के लिए OFFICIAL WEBSITE	Website- https://bit.ly/3bBhp0X
PHONE NUMBER	+918233195718 +918504091672 9694804063 01414045784,
TELEGRAM CHANNEL	https://t.me/infusion_notes
FACEBOOK PAGE	https://www.facebook.com/infusion.notes
WHATSAPP करें	https://wa.link/7rmac6

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

अध्याय - 2

दिल्ली सल्तनत के प्रमुख राजवंश

गुलाम वंश से लेकर लोदी वंश

दिल्ली सल्तनत

दिल्ली सल्तनत के क्रमानुसार पाँच वंश निम्नलिखित थे -

गुलाम वंश के शासक -

कुतुबुद्दीन ऐबक (1206-1210 ई. तक)

- भारत में तुर्की राज्य /दिल्ली सल्तनत /मुस्लिम राज्य की स्थापना करने वाला शासक ऐबक ही था।
- गुलाम वंश की स्थापना कुतुबुद्दीन ऐबक ने 1206 ई. में की थी । इसने अपनी राजधानी लाहौर में बनाई ।
- ऐबक का अर्थ होता है चंद्रमुखी ।
- ऐबक के राजवंश को कुतुबी राजवंश के नाम से जन जाता है ।
- मुहम्द गौरी ने ऐबक को अमीर-ए-आखूर अस्तबलों का प्रधान के पद पर नियुक्त किया।
- 1192 ई. के तराईन के युद्ध में ऐबक ने गौरी की सहायता की।
- तराईन के द्वितीय युद्ध के बाद गौरी ने ऐबक को अपने मुख्य भारतीय प्रदेशों का सूबेदार नियुक्त किया।
- जून 1206 में राज्याभिषेक करवाया तथा सुल्तान की बजाय मलिक/सिपहसालार की उपाधि धारण की यह उपाधि इसे मुहम्मद गौरी ने दी थी ।
- इसने अपने नाम के सिक्के भी नहीं चलाये एवं अपने नाम का खुतबा पढ़वाया (खुतबा एक रचना होती थी जो मौलवियों से सुल्तान शुक्रवार की रात को नजदीक की मस्जिद में अपनी प्रंशसा में पढ़वाते थे।) खुतबा शासक की संप्रभूता का सूचक होता था।
- ऐबक ने प्रारंभ इंद्रप्रस्थ में दिल्ली के पास को सैनिक मुख्यालय बनाया तथा कुछ समय बाद यल्दौज तथा कुबाजा (मुहम्मद गौरी के दास) के संघर्ष को देखते हुए लाहौर को अपनी राजधानी बनाया।
- ऐबक ने यल्दौज पर आक्रमण कर गजनी पर अधिकार कर लिया, लेकिन गजनी की जनता यल्दौज के प्रति वफादार थी तथा 40 दिनों के बाद ऐबक ने गजनी छोड़ दिया ।

ऐबक की मृत्यु -

- 1210 ई. में लाहौर में चौगान पोलो खेलते समय घोड़े से गिर जाने के कारण ऐबक की मौत हो गई। इसका मकबरा लाहौर में ही बनाया गया है ।
- भारत में तुर्की राज्य का वास्तविक संस्थापक कुतुबुद्दीन ऐबक को मान जाता है ।
- भारत में मुस्लिम राज्य का संस्थापक मुहम्मद गौरी को माना जाता है । स्वतंत्र मुस्लिम राज्य का संस्थापक कुतुबुद्दीन ऐबक को माना जाता है ।
- कुत्तुबुद्दीन ऐबक के दरबार में हसन् निजामी एवं फख्र-ए-मुदब्बिर आदि प्रसिद्ध विद्वान थे ।
- 'कुव्वत-उल-इस्लाम -"अढ़ाई दिन का झोंपड़ा बनवाया । तथा 'कुतबमीनार 'का निर्माण कुतुबुद्दीन ऐबक ने शुरू करवाया और इल्तुतमिश ने पूरा किया। कुतबमीनार शेख ख्वाजा कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी की स्मृति में बनवाया गया है ।
- कुतुबुद्दीन ऐबक को अपनी उदारता एवं दानी प्रवृति के कारण लाखबख्श (लाखों का दानी)कहा गया है ।
- इतिहासकार मिन्हाज ने कुतुबुद्दीन ऐबक को उसकी दानशीलता के कारण हातिम द्वितीय की संज्ञा दी है ।
- प्राचीन नालन्दा विश्वविद्यालय को ध्वस्त करने वाला ऐबक का सहायक सेनानायक बख्तियार खिलजी था ।

इल्तुतमिश (1210-1236 ई.)

- मलिक शम्सुद्दीन इल्तुतमिश ऐबक का दामाद था, न कि उसका वंशज। इल्तुतमिश का शाब्दिक अर्थ राज्य का रक्षक स्वामी होता है।। उसका समानार्थक शब्द आलमगीर या जहाँगीर विश्व विजेता भी होता है ।
- ऐबक की मृत्यु के समय इल्तुतमिश बदायूँ यू.पी. का इक्तेदार था।
- इल्तुतमिश दिल्ली सल्तनत का वास्तविक संस्थापक तथा प्रथम वैधानिक सुल्तान था। जिसने दिल्ली को अपने राजधानी बनाया ।
- इसने 1229 ई. में बगदाद के खलीफा अल-मुंतसिर-बिल्लाह से सुल्तान की उपाधि व खिलअत इजाजत प्राप्त की।
- इल्तुतमिश ने अपने नाम का खुतबा पढ़वाया तथा मानक सिक्कें टंका चलाया था। टंका चांदी का होता था (1 टंका =48 जीतल)
- इल्तुतमिश यह पहला मुस्लिम शासक था जिसने सिक्कों पर टकसाल का नाम अंकित करवाया था।

अध्याय – 5
मुगल साम्राज्य (1526 - 1707 ई.)

बाबर से औरंगजेब तक

बाबर (1526 – 1530 ई.)

- पानीपत के मैदान में 21 अप्रैल, 1526 को इब्राहिम लोदी और चुगताई तुर्क जलालुद्दीन बाबर के बीच युद्ध लड़ा गया।
- लोदी वंश के अंतिम शासक इब्राहिम लोदी को पराजित कर खानाबदोश बाबर ने तीन शताब्दियों से सत्तारूढ़ तुर्क अफगानी सुल्तानों की- दिल्ली सल्तनत का तख्ता पलट कर दिया।
- बाबर ने मुग़ल साम्राज्य और मुग़ल सल्तनत की नींव रखी ।
- मुगल वंश का संस्थापक बाबर था, अधिकतर मुगल शासक तुर्क और सुन्नी मुसलमान थे मुगल शासन 17 वीं शताब्दी के आखिर में और 18 वीं शताब्दी की शुरुआत तक चला और 19 वीं शताब्दी के मध्य में समाप्त हुआ।
- बाबर का जन्म छोटी सी रियासत 'फरगना में 1483 ई. में हुआ था। जो फ़िलहाल उज़्बेकिस्तान का हिस्सा है।
- बाबर अपने पिता की मृत्यु के पश्चात् मात्र 11 वर्ष की आयु में ही फरगना का शासक बन गया था। बाबर को भारत आने का निमंत्रण पंजाब के सूबेदार दौलत खाँ लोदी और इब्राहिम लोदी के चाचा आलम खाँ लोदी ने भेजा था ।
- पानीपत का प्रथम युद्ध 21 अप्रैल, 1526 ई. को इब्राहिम लोदी और बाबर के बीच हुआ, जिसमें बाबर की जीत हुई
- खनवा का युद्ध 17 मार्च 1527 ई. में राणा सांगा और बाबर के बीच हुआ, जिसमें बाबर की जीत हुई ।
- चंदेरी का युद्ध 29 मार्च 1528 ई. में मेदनी राय और बाबर के बीच हुआ, जिसमें बाबर की जीत हुई ।
- घाघरा का युद्ध 6 मई 1529 ई. में अफगानों और बाबर के बीच हुआ, जिसमें बाबर की जीत हुई ।

  नोट -पानीपत के प्रथम युद्ध में बाबर ने पहली बार तुगलमा / तुलगमा युद्ध नीति का इस्तेमाल किया था ।
- उस्ताद अली एवं मुस्तफा बाबर के दो प्रसिद्ध निशानेबाज थे । जिसने पानीपत के प्रथम युद्ध में भाग लिया था ।
- पानीपत का प्रथम युद्ध बाबर का भारत पर उसके द्वारा किया गया पांचवा आक्रमण था, जिसमें उसने इब्राहिम लोदी को हराकर विजय प्राप्त की थी और मुग़ल साम्राज्य की स्थापना की थी।
- बाबर की विजय का मुख्य कारण उसका तोपखाना और कुशल सेना प्रतिनिधित्व था । भारत में तोप का सर्वप्रथम प्रयोग बाबर ने ही किया था ।
- पानीपत के इस प्रथम युद्ध में बाबर ने उज्बेकों की 'तुलगमा युद्ध पद्धति तथा तोपों को सजाने के लिए'उस्मानी विधि जिसे 'रूमी विधि' भी कहा जाता है, का प्रयोग किया था।
- पानीपत के युद्ध में विजय की खुशी में बाबर ने काबुल के प्रत्येक निवासी को एक चाँदी का सिक्का दान में दिया था। अपनी इसी उदारता के कारण बाबर को 'कलन्दर' भी कहा जाता था।
- बाबर ने दिल्ली सल्तनत के पतन के पश्चात् उनके शासकों को सुल्तान' कहे जाने की परम्परा को तोड़कर अपने आपको 'बादशाह' कहलवाना शुरू किया।
- पानीपत के युद्ध के बाद बाबर का दूसरा महत्वपूर्ण युद्ध राणा सांगा के विरुद्ध 17 मार्च, 1527 ई. में आगरा से 40 किमी दूर खानवा नामक स्थान पर हुआ था।
- खानवा विजय प्राप्त करने के पश्चात् बाबर ने गाज़ी की उपाधि धारण की थी। इस युद्ध के लिए अपने सैनिकों का मनोबल बढ़ाने के लिए बाबर ने 'जिहाद' का नारा दिया था।
- खानवा के युद्ध में मुसलमानों पर लगने वाले कर तमगा की समाप्ति की घोषणा की थी, यह एक प्रकार का व्यापारिक कर था।
- 29 जनवरी, 1528 को बाबर ने चंदेरी के शासक मेदिनी राय पर आक्रमण कर उसे पराजित किया था। यह विजय बाबर को मालवा जीतने में सहायक रही थी।
- बाबर ने 06 मई, 1529 में 'घाघरा का युद्ध लड़ा था। जिसमें बाबर ने बंगाल और बिहार की संयुक्त अफगान सेना को हराया था।
- बाबर ने अपनी आत्मकथा 'बाबरनामा' का निर्माण किया था, जिसे तुर्की में 'तुजुके बाबरी' कहा जाता है। जिसे बाबर ने अपनी मातृभाषा चगताई तुर्की में लिखा है।
- बाबरनामा में बाबर ने तत्कालीन भारतीय दशा का विवरण दिया है। जिसका फारसी अनुवाद अब्दुर्रहीम खानखाना ने किया है और अंग्रेजी अनुवाद श्रीमती बेबरिज द्वारा किया गया है।

- बाबर ने अपनी आत्मकथा में 'बाबरनामा कृष्णदेव राय तत्कालीन विजयनगर के शासक को समकालीन भारत का शक्तिशाली राजा कहा है। साथ ही पांच मुस्लिम और दो हिन्दू राजाओं मेंवाड़ और विजयनगर का ही जिक्र किया है।
- बाबर ने 'रिसाल ए-उसज' की रचना की थी, जिसे 'खत-ए बाबरी ' भी कहा जाता है।
- बाबर ने एक तुर्की काव्य संग्रह 'दिवान का संकलन भी करवाया था। बाबर ने 'मुबइयान' नामक पद्य शैली का विकास भी किया था।
- बाबर ने संभल और पानीपत में मस्जिद का निर्माण भी करवाया था।
- बाबर के सेनापति मीर बाकी ने अयोध्या में मंदिरों के बीच 1528 से 1529 के मध्य एक बड़ी मस्जिद का निर्माण करवाया था, जिसे बाबरी मस्जिद के नाम से जाना गया।
- बाबर ने आगरा में एक बाग का निर्माण करवाया था, जिसे 'नर-ए-अफगान' कहा जाता था, जिसे वर्तमान में 'आरामबाग-' के नाम से जाना जाता है।
- इसमें चारबाग शैली का प्रयोग किया गया है। यहीं पर 26 दिसम्बर, 1530 को बाबर की मृत्यु के बाद उसको दफनाया गया था। परन्तु कुछ समय बाद बाबर के शव को उसके द्वारा ही चुने गए स्थान काबुल में दफनाया गया था।
- बाबर को मुबइयान नामक पद्य शैली का जन्म दाता माना जाता है ।
- बाबर को उदारता के कारण कलन्दर की उपाधि दी गयी थी ।
- बाबर प्रसिद्ध नक्शबंदी सूफी ख्वाजा उबेदुल्ला अरहार का अनुयायी था ।
- बाबर के चार पुत्र हिन्दाल, कामरान, अस्करी और हुमायूँ थे। जिनमें हुमायूँ सबसे बड़ा था फलस्वरूप बाबर की मृत्यु के पश्चात् उसका सबसे बड़ा पुत्र हुमायूँ अगला मुग़ल शासक बना।
- पित्रादुरा तकनीक का प्रयोग एत्मादुद्दौला के मकबरे में हुआ है जो ईरानी शैली का है ।

हुमायूँ (1530 ई-1556 ई.)

- बाबर की मृत्यु के बाद उसका पुत्र हुमायूँ मुगल वंश के शासन (गद्दी) पर बैठा ।
- हुमायूँ ने अपने साम्राज्य का विभाजन भाइयों में किया था। उसने कामरान को काबुल एवं कंधार, अस्करी को संभल तथा हिंदाल को अलवर प्रदान किया था।
- हुमायूँ के सबसे बड़े शत्रु अफगान थे, क्योंकि वे बाबर के समय से ही मुगलों को भारत से बाहर खदेड़ने के लिए प्रयत्नशील थे।
- हुमायूँ का सबसे बड़ा प्रतिद्वंदी अफगान नेता शेर खाँ था, जिसे शेरशाह शूरी भी कहा जाता है।
- हुमायूँ का अफगानों से पहला मुकाबला 1532 ई. में दौहरिया' नामक स्थान पर हुआ। इसमें अफगानों का नेतृत्व महमूद लोदी ने किया था। इस संघर्ष में हुमायूँ सफल रहा।
- 1532 ई. में हुमायूँ ने शेर खाँ के चुनार किले पर घेरा डाला। इस अभियान में शेर खाँ ने हुमायूँ की अधीनता स्वीकार कर ली
- 1532 ई. में हुमायूँ ने दिल्ली में दीन पनाह' नामक नगर की स्थापना की।
- चारबाग पद्धति का प्रयोग पहली बार हुमायूँ के मकबरे में हुआ जबकि भारत में पहला बाग युक्त मकबरा सिकन्दर लोदी का था ।
- हुमायूँ के मकबरे को ताजमहल का पूर्वगामी माना जाता है ।
- स्वर्ण सिक्का जारी करने वाला प्रथम मुगल शासक हुमायूँ था ।
- हुमायूँ ने 1535 ई. में ही उसने बहादुर शाह को हराकर गुजरात और मालवा पर विजय प्राप्त की।
- शेर खाँ की बढ़ती शक्ति को दबाने के लिए हुमायूँ ने 1538 ई. में चुनारगढ़ के किले पर दूसरा घेरा डालकर उसे अपने अधीन कर लिया।
- 1538 ई. में हुमायूँ ने बंगाल को जीतकर मुग़ल शासक के अधीन कर लिया । बंगाल विजय से लौटते समय 26 जून, 1539 को चौसा के युद्ध में शेर खाँ ने हुमायूँ को बुरी तरह पराजित किया।
- शेर खाँ ने 17 मई, 1540 को बिलग्राम के युद्ध में पुनः हुमायूँ को पराजित कर दिल्ली पर बैठा। हुमायूँ को मजबूर होकर भारत से बाहर भागना पड़ा।
- 1544 में हुमायूँ ईरान के शाह तहमस्प के यहाँ शरण लेकर पुनः युद्ध की तैयारी में लग गया ।
- 15 मई, 1555 को मच्छीवाड़ा तथा 22 जून, 1555 को सरहिन्द के युद्ध में सिकन्दर शाह सूरी को पराजित कर हुमायूँ ने दिल्ली पर पुनः अधिकार लिया।
- 23 जुलाई, 1555 को हुमायूँ एक बार फिर दिल्ली के सिंहासन पर आसीन हुआ, परन्तु अगले ही वर्ष 27 जनवरी, 1556 को पुस्तकालय की सीढ़ियों से गिर जाने से उसकी मृत्यु हो गयी।

अध्याय - 4

1857 की क्रांति से पूर्व के जन आंदोलन

राजनीतिक - धार्मिक आंदोलन

फकीर विद्रोह (1776-77)

- यह विद्रोह बंगाल में विचरणशील मुसलमान धार्मिक फकीरों द्वारा किया गया था ।
- इस विद्रोह के नेता मजनू शाह ने अंग्रेजी सत्ता को चुनौती देते हुए जमीदारों और किसानों से धन इक्कठा करना आरम्भ कर दिया ।
- मजनू शाह की मृत्यु के बाद चिराग अली शाह ने आंदोलन को नेतृत्व प्रदान किया ।

सन्यासी विद्रोह (1770 - 1820)

- संन्यासी विद्रोह भारत की आज़ादी के लिए बंगाल में अंग्रेज़ हुकूमत के विरुद्ध किया गया एक प्रबल विद्रोह था।
- संन्यासियों में अधिकांश शंकराचार्य के अनुयायी थे।
- इतिहास प्रसिद्ध इस विद्रोह की स्पष्ट जानकारी बंकिमचन्द्र चटर्जी के उपन्यास 'आनन्दमठ' में मिलती है।

पागलपंथी विद्रोह (1813 - 33)

- उत्तर पूर्वी भारत में प्रभावी पागलपंथी एक धार्मिक पंथ था ।
- उत्तर पर्वी क्षेत्र में हिन्दू मुसलमान और गारो तथा जांग आदिवासी इस पंथ के समर्थक थे ।
- इस क्षेत्र में अंग्रेजों द्वारा क्रियान्वित भू-राजस्व तथा प्रशासनिक व्यवस्था के कारण व्यापक असंतोष था ।
- इस विद्रोह को 1833 ई. में दबा दिया गया ।

वहाबी आंदोलन (1820 - 70)

- वहाबी आंदोलन मूलतः एक इस्लामिक सुधारवादी आंदोलन था । जिसने कालांतर में मुस्लिम समाज में व्याप्त अन्धविश्वास एवं कुरुतियों के उन्मूलन को अपना उद्देश्य बनाया ।
- इस आंदोलन के संस्थापक अब्दुल वहाबी के नाम पर इसका नाम वहाबी आंदोलन पड़ा ।
- सैयद अहमद बरेलवी ने भारत में इस आंदोलन को प्रेरणा प्रदान की

कूकाविद्रोह

- कूका विद्रोह की शुरुआत पंजाब में 1860-1870 ई. में हुई थी।
- पश्चिमी पंजाब में 'कूका विद्रोह' की शुरुआत लगभग 1840 ई. में 'भगत जवाहर मल' द्वारा की गयी थी।
- भगत जवाहर मल को 'सियान साहब' के नाम से भी जाना जाता था।
- 1872 ई. में इसके एक नेता 'रामसिंह' को रंगून निर्वासित कर दिया और आंदोलन पर नियंत्रण पा लिया गया ।

समोसी विद्रोह

- समोसी मराठा राज्य के अधीनस्थ कर्मचारी थे। अत्यधिक लगान वसूली के कारण 1822 में उन्होंने विद्रोह कर दिया ।

गडकरी विद्रोह

- गडकरी विद्रोह अंग्रेजों के खिलाफ किया गया था।
- 1844 ई. में महाराष्ट्र में 'गड़करी जाति' के विस्थापित सैनिकों ने अंग्रेज़ों के विरुद्ध इस विद्रोह को अंजाम दिया।

सावंतवादी विद्रोह

- प्रवासीवादी विद्रोह: प्रवासीवादी विद्रोह भारतीयों द्वारा अंग्रेजों के खिलाफ शुरू किया गया था।
- प्रवासीवादी विद्रोह 1844 में हुआ था।
- प्रवासीवादी विद्रोह का नेतृत्व मराठा सरदार फोन्ड सावन्त ने किया था।

मुंडा एवं हो विद्रोह (1820-22)

कोल विद्रोह (1831)

- 1831 में छोटा नागपुर में यह कोल विद्रोह हुआ
- इस विद्रोह का प्रमुख कारण कोल आदिवासियों की जमीन छीनकर मुस्लिम और सिख संप्रदाय के किसानों को दे दी इस विद्रोह में गंगा नारायण और बुद्धो भगत ने भूमिका निभाई ।
- यह विद्रोह मुख्य रूप से रांची हजारीबाग पलामू मानभूम और सिंह भूमि क्षेत्र में फैला ।

संथाल विद्रोह (1855)

- सन् 1855 ईस्वी में जमींदार और साहूकारों के अत्याचार और भूमि कर अधिकारियों के दमनात्मक व्यवहार के प्रति सिद्धू एवं कान्हू के नेतृत्व में राजमहल

एवं भागलपुर के संस्थान आदिवासियों ने विद्रोह कर दिया ।

चुआर विद्रोह (1798)

- दुर्जन सिंह तथा जगन्नाथ के नेतृत्व में बंगाल के मिदनापुर जिले में 1798 ईस्वी में यह विद्रोह हुआ।
- इस विद्रोह का मुख्य कारण भूमि कर एवं अकाल के कारण उत्पन्न आर्थिक संकट था इस विद्रोह में यह विद्रोह रुक रुक कर 30 वर्षों तक चला ।

खासी विद्रोह

- भारत के उत्तरी पूर्वी क्षेत्र में जब अंग्रेजों ने खासी की पहाड़ियों से लेकर सिलहट के बीच सड़क मार्ग बनाना प्रारंभ किया तो स्थानीय लोगों ने इसे ब्रिटिश राज्य का उनकी स्वतंत्रता पर हस्तक्षेप मानते हुए विद्रोह किया ।

अहोम आदिवासी विद्रोह (1828)

- यह ब्रिटिश सरकार ने 1828 ईस्वी में असम राज्य के अहोम प्रदेश को ब्रिटिश साम्राज्य में मिलाने का प्रयन्न किया तो अहोम आदिवासियों ने गोमधर कुंवर के नेतृत्व में विद्रोह कर दिया

फरायजी विद्रोह (1838)

- बंगाल के फरीदपुर नामक स्थान पर फरायजी संप्रदाय के अनुमोदन पर शरीयातुल्ला ने इस विद्रोह का नेतृत्व किया

पश्चिम भारत के प्रमुख आदिवासी विद्रोह

भील विद्रोह (1818)

- 1818 में भील विद्रोह का प्रारंभ हुआ यह भारत के पश्चिमी क्षेत्र में हुआ।
- इस विद्रोह का मुख्य कारण कृषि से संबंधित परेशानियां और अंग्रेजों द्वारा लगाए जाने वाले टैक्स थे ।
- 1825 ईस्वी में सेवाराम के नेतृत्व में भीलों ने पुनः विद्रोह किया कार 1846 ई. तक भील विद्रोह चलता रहा,
- भील विद्रोह को भड़काने का आरोप ईस्ट इंडिया कंपनी ने पेशवा बाजीराव द्वितीय और त्र्यंबक जी पर लगा दिया।

बघेरा विद्रोह

- यह विद्रोह ओखा मंडल के बघेरा लोगों द्वारा सन् 1818 से 1819 ई. तक बड़ौदा की गायकवाड़ राजा द्वारा किया गया

किट्टूर विद्रोह

- किट्टूर के स्थानीय शासक की विधवा रानी चेन्नमा ने किया क्योंकि अंग्रेजों ने राजा के दत्तक पुत्र को मान्यता नहीं दी
- यद्यपि ब्रिटिश सरकार ने दमनात्मक कार्यवाही द्वारा इस विद्रोह को दबा दिया यह विद्रोह 1824 से 1829 ईस्वी तक चला

कच्छ विद्रोह (1819)

- कच्छ के राजा भारमल को अंग्रेजों द्वारा शासन से बेदखल करना कच्छ विद्रोह का मुख्य कारण था ।
- अंग्रेजों ने कच्छ के अल्प वयस्क पुत्र को वहां का शासक बना दिया और भू - कर में वृद्धि कर दी इसका विरोध स्वरूप भारमल और उसके समर्थकों ने 1819 में यह विद्रोह शुरू कर दिया

भारत के अन्य प्रमुख विद्रोह

पॉलीगार विद्रोह 1801

- तमिलनाडु में नई भूमि व्यवस्था लागू करने के बाद ब्रिटिश सरकार के खिलाफ सन् 1801 ईस्वी में वहां के स्थानीय पॉली वालों ने वीपी कट्टा बामन्नान के नेतृत्व में विद्रोह किया गया और यह विद्रोह 1856 ईस्वी तक चला।

पाइक विद्रोह (1817)

- मध्य उड़ीसा में पाइक जनजाति द्वारा सन् 1817 ईस्वी से 1825 ईस्वी तक यह विद्रोह किया इस विद्रोह के नेतृत्व कर्ता बख्शीजग बंधु ने किया

सूरत का नमक विद्रोह (1817)

- अंग्रेजों द्वारा नमक के कर में 50 पैसे की वृद्धि करने पर इसका विरोध करने के लिए 1844 ईस्वी में सूरत के स्थानीय लोगों ने यह विद्रोह किया इस विद्रोह के परिणाम स्वरूप अंग्रेजों ने बढ़ाए नमक करों को वापस ले लिया

नागा विद्रोह(1931)

- नागा विद्रोह रोगमइ जदोनांग के नेतृत्व में भारत के पूर्वी राज्य नागालैंड में हुआ ।

- दीनबंधू मित्र का नाटक नील दर्पण में नील की खेती करने वाले पर हुए आत्याचार का उल्लेख करता है ।
- आत्मसम्मान आंदोलन की शुरुआत रामस्वामी नायकर ने की थी ।
- तरुण स्त्री सभा की स्थापना कलकत्ता में की गयी थी ।
- देव समाज के संस्थापक शिव नारायण अग्निहोत्री थे ।
- भारत भारतीयों के लिए है यह नारा आर्य समाज ने दिया था ।
- सबसे कम उम्र में फांसी की सजा पाने वाला खुदीराम बोस था ।
- भारत का बिस्मार्क सरदार वल्लभ भाई पटेल को कहा जाता है ।
- शुद्धि आंदोलन के प्रवर्तक स्वामी दयानन्द सरस्वती थे ।
- मुहम्मद अली एवं शोकत अली ने 1919 में खिलाफत आंदोलन की शुरुआत की ।
- आर्य महिला सभा की स्थापना पंडिता रमाबाई ने की थी ।
- कांग्रेस के प्रथम मुस्लिम अध्यक्ष बदरुद्दीन तैयबजी थे ।
- सुभाष चन्द्र बोस को सर्वप्रथम नेताजी एडोल्फ हिटलर ने कहा था ।
- महात्मा गाँधी को सर्वप्रथम राष्ट्रपिता कहकर संबोधित सुभाषचन्द्र बोस ने किया ।
- द स्कोप ऑफ हैप्पीनेस विजयलक्ष्मी पंडित थी ।इंडिया टुडे पुस्तक की लेखक रजनी पाम दत्त थी ।

अध्याय – 7

क्रांतिकारी आंदोलन से आजादी तक

- सावरकर बंधुओं ने 1904 में मित्र मेला एवं 'अभिनव भारत' नामक क्रांतिकारी संगठन की स्थापना की।
- महाराष्ट्र में पहली क्रांतिकारी घटना 1897 में प्लेग कमिश्नर रैंण्ड की गोली मारकर की गयी हत्या थी।
- वस्तुतः चापेकर बंधुओं ने बालकृष्ण एवं दामोदर चापेकर तिलक के पत्र'केसरी' में छपे लेख से प्रेरित होकर यह कार्य किया था।
- बंगाल में 1902 में अनुशीलन समिति की स्थापना हुई जिसमें 'बारीन्द्र कुमार घोष' एवं 'जतिन नॉथ' की भूमिका महत्वपूर्ण थी।
- बंगाल में 'बारीन्द्र कुमार घोष' एवं 'उपेन्द्रनाथ दत्त' ने 'युगांतर' नामक समाचार पत्र का प्रकाशन किया।
- 1930 में बंगाल में विनय, बादल एवं दिनेश नामक क्रांतिकारियों ने अंग्रेज अधिकारियों की हत्या कर दी। इसी तरह सूर्यसेन)मास्टर दा (ने चटगांव शस्त्रागार पर नियंत्रण स्थापित किया ।
- भगत सिंह ने 1925 में 'भारत नौजवान सभा' की स्थापना की जिसने भारतीयों को समाजवादी विचारधारा के माध्यम से क्रान्ति की ओर प्रेरित किया।
- पंजाब में क्रांतिकारी विचारधारा के प्रसार में अजीत सिंह की भूमिका महत्वपूर्ण थी। जब अजीत सिंह को पंजाब से निर्वासित किया गया तो वह फ्रांस पहुंचकर क्रांतिकारी विचारों का प्रचार करने लगे।
- दिल्ली में 1912 में वायसराय लॉर्ड हार्डिंग के काफिले पर बम फेंका गया। इस घटना में रास बिहारी बोस की भूमिका महत्वपूर्ण थी।
- संयुक्त प्रांत में 9 अगस्त 1925 में लखनऊ के पास काकोरी ट्रेन डकैती की गयी और सरकारी खजाने को लूटा गया। इस काकोरी षड्यंत्र मुकदमें के तहत राम प्रसाद बिस्मिल, रोशन सिंह, राजेन्द्र लाहिडी एवं अशफाक उल्ला खां को फांसी दे दी गयी। चन्द्रशेखर आजाद भी इस घटना में, शामिल थे किन्तु वे फरार होने में सफल रहे ।
- 1928 में दिल्ली में फिरोजशाह कोटला मैदान में क्रांतिकारियों की बैठक हुई जिसमें भगत सिंह, चन्द्रशेखर आजाद जैसे क्रांतिकारी शामिल थे। इस बैठक में हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन)HRA) का नाम बदलकर हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन CHSRAJ कर दिया गया।

नोट – प्रिय पाठकों ,यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी "**दिल्ली पुलिस हेड कांस्टेबल – 2022**" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 9694804063, 8504091672, 8233195718, 9887809083

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)

RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

& Many More Exams

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें ।

संपर्क करें- 8233195718, 9694804063, 8504091672, 9887809083

ONLINE ORDER के लिए OFFICIAL WEBSITE	Website- https://bit.ly/3bBhp0X
PHONE NUMBER	+918233195718 +918504091672 9694804063 01414045784,
TELEGRAM CHANNEL	https://t.me/infusion_notes
FACEBOOK PAGE	https://www.facebook.com/infusion.notes
WHATSAPP करें	https://wa.link/7rmac6

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

अध्याय – 4

मुगलकालीन प्रमुख इमारतें

जामा मस्जिद

- यह लाल पत्थर से निर्मित है । ! इस मस्जिद को फतेहपुर सीकरी का गौरव कहा गया है । फर्ग्यूसन ने इसे पत्थरों की रुमानी कथा कहा है ।

शेख सलीम चिश्ती का मकबरा

- अकबर ने इसका निर्माण लाल पत्थर से करवाया परंतु जहांगीर व शाहजहां ने इसे तुड़वाकर संगमरमर से निर्मित करवा दिया गया ।

इस्लाम खा का मकबरा

- सर्वप्रथम वर्गाकार मेहराब का प्रयोग इसी मकबरे में किया गया है ।

जोधाबाई का महल

- यह फतेहपुर सीकरी की सबसे बड़ी आवासीय इमारत है ।

तुर्की सुल्तान की कोठी

- यह अकबर की प्रथम पत्नी रुकैया बेगम का महल था । पर्शी ब्राउन ने इसे मुगल स्थापत्य का रतन कहां है ।

मरियम महल

- अकबर की माता हमीदा बानो का महल था । हमीदा बानो मरियम मकानी के नाम से प्रसिद्ध है ।
- अकबर ने इसमें हिंदू देवी-देवताओं के चित्र बनवाएं थे जिन्हें बाद में औरंगजेब ने चूने से पुतवा दिया गया ।
- इसका उल्लेख इटली के मनुची ने अपनी पुस्तक स्टीरियो डी मोगर में किया ।
- मरियम का महलः जोधाबाई महल के निकट है ।
- बीरबल का महलः यह दो मंजिला इमारत है जो मरियम के महल की तर्ज पर बनी है।
- तुर्की सुल्ताना की कोठी: रुबिया बेगम या सलीमा बेगम के लिए निर्मित यह लघु आकार की इमारत अत्यधिक आकर्षक है। पर्सी ब्राउन ने इसे "कलात्मक रत्न" कहा।
- फर्ग्यूसनः 'फतेहपुर सीकरी का महल पाषण का एक ऐसा रोमांस है जैसा कहीं और नहीं मिलेगा।
- अबुल फजल लिखता है कि "बादशाह सुन्दर भवनों की योजना बनाता है और अपने मस्तिष्क एवं हृदय के
- विचारों को पत्थर एवं गारे का रूप प्रदान करता है।

पंचमहल

- यह पांच मंजिला पिरामिड की आकृति की इमारत है इसमें कोई दरवाजा नहीं है ।
- नीचे वाली इमारत में 48 व ऊपर वाली इमारत में 4 स्तंभ हैं ।

हिरण मीनार

- अकबर ने अपने हाथी हिरण की स्मृति में इस 80 फीट ऊंची इस इमारत का निर्माण करवाया।

इबादत खाना

- इबादत खाना 1575 में अकबर ने इसका निर्माण करवाया । प्रारंभ में केवल इस्लाम धर्म पर वाद विवाद किया जाता था ।
- इसके अलावा दो मंजिला बीरबल महल का निर्माण करवाया गया ।
- 1570-71 में अकबर ने गुजरात पर विजय प्राप्त की थी ।
- इस विजय के उपलक्ष में 1601 में बुलंद दरवाजा का निर्माण कराया गया ।
- यह जमीन से 176 फीट ऊंचा है ।
- भरतपुर के लोहागढ़ दुर्ग के फतेह बुरज से यह भी यह दरवाजा दिखाई देता है ।
- विसेंट अर्थर स्मिथ – फतेहपुर सीकरी नगर को पत्थरों में डाला गया रोमांस कहां ।

जहांगीर (1605 – 1627)

- अकबर ने अपने जीवन काल में ही सिकंदरा (आगरा) अपने मकबरे का निर्माण प्रारंभ करवा दिया था इसे जहांगीर ने पूर्ण करवाया ।
- स्वतंत्र रूप से मीनारों का पहला प्रयोग इसी मकबरे में किया गया था ।
- जहांगीर की पत्नी नूरजहां या मेहरुन्निसा ने अपने पिता मिर्जा गयास बेगम का एतमादुधोला का मकबरा आगरा के निकट बनवाया !
- मुगलकाल में पूर्ण संगमरमर की बनी यह प्रथम इमारत है ।

- मस्जिद के मेहराबों मिम्बर (Sanctuary) में लगभग 260 खम्भे लगे हैं।
- मस्जिद के खम्भों एवं गैलरियों पर सघन खुदाई हुई है।
- फर्ग्युसन ने इस मस्जिद की तुलना रामपुर के राणाकुम्भा के मंदिर से की है।
- इस मस्जिद से किले में प्रवेश के लिए चौड़े रास्ते में तीन 37 फुट ऊँचे दरवाजों का निर्माण किया गया है।
- पर्सी ब्राउन के अनुसार, "पूरे देश में नहीं तो कम-से-कम पश्चिम भारत में यह मस्जिद निर्माण कला का श्रेष्ठतम नमूना है।"

खम्भात की जामा मस्जिद

- 1325 ई। में निर्मित इस मस्जिद के पूजा गृह की तुलना दिल्ली की कुतुब मस्जिद एवं अजमेर के 'अढाई दिन के झोपड़े' से की जाती है।

भड़ौच की जामा मस्जिद

- 1300 ई। में निर्मित हिन्दू मंदिरों के अवशेष से बनाई गई थी।

टंका मस्जिद

- 1361 ई। में निर्मित यह मस्जिद का निर्माण टोलका में करवाया गया था।
- अलंकृत स्तम्भों वाली इस मस्जिद में हिन्दू शैली का स्पष्ट छाप दिखाई पड़ती है।
- हिलाल खाँ काजी की मस्जिद
- 1333 ई। में ढोलका में इस मस्जिद का निर्माण करवाया गया था।
- इस मस्जिद में स्थानीय शैली में दो ऊँची मीनारों का निर्माण किया गया है।

अहमदशाह का मकबरा

- मुहम्मद शाह ने जामा मस्जिद के पूर्व में स्थित अहाते में इसका निर्माण करवाया था।
- दक्षिणी भाग में प्रवेश द्वारा वाला यह इमारत वर्गाकार है।
- मकबरे के ऊपर गुम्बद का, निर्माण किया गया है। गुजराती स्थापत्य कला का सर्वश्रेष्ठ काल महमूदशाह बेगड़ा के समय से आरंभ होता है। उसने चम्पानेर, जुनागढ़ तथा खेदा नामक तीन नगरों की स्थापना की थी। उसके द्वारा निर्मित इमारतों में चम्पानेर की जामी मस्जिद, नगीना मस्जिद, मोहर इमारतें आदि प्रमुख हैं।

भारत का भूगोल

अध्याय – 1

सामान्य परिचय

- भारत एशिया महाद्वीप का एक देश है, जो एशिया के दक्षिणी भाग में स्थित है तथा तीन ओर समुद्रों से घिरा हुआ है। पूरा भारत उत्तरी गोलार्द्ध में पड़ता है।
- भारत का अक्षांशीय विस्तार 8°4' उत्तरी अक्षांश से 37°6'उत्तरी अक्षांश तक है।
- भारत का देशान्तर विस्तार 68°7' पूर्वी देशान्तर से 97°25' पूर्वी देशान्तर तक है।
- भारत का क्षेत्रफल 32,87,263 वर्ग किमी. है।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से संसार में भारत का सातवाँ स्थान है। यह रूस के क्षेत्रफल का लगभग 1/5, संयुक्त राज्य अमेरिका के क्षेत्रफल का 1/3 तथा ऑस्ट्रेलिया के क्षेत्रफल का 2/5 है।
- जनसंख्या की दृष्टि से संसार में भारत का चीन के बाद दूसरा स्थान है।
- विश्व का 2.4% भूमि भारत के पास है जबकि विश्व की लगभग 17.5% (वर्ष 2011 के अनुसार) जनसंख्या भारत में रहती है।
- भारत के उत्तर में नेपाल, भूटान व चीन, दक्षिण में श्रीलंका एवं हिन्द महासागर, पूर्व में बांग्लादेश, म्यांमार एवं बंगाल की खाड़ी तथा पश्चिम में s दक्षिणतम बिन्दु - इन्दिरा प्वाइंट (ग्रेट निकोबार में है)।

भारत का उत्तरी अन्तिम बिन्दु- इंदिरा कॉल (लद्दाख)
हैंकर्क रेखा (Tropic of Cancer) भारत के बीचों -

देश की चतुर्दिक सीमा बिन्दु	
दक्षिणतम बिन्दु- इन्दिरा प्वाइंट (ग्रेट निकोबार द्वीप) उत्तरी बिन्दु- इन्दिरा कॉल (लद्दाख) पश्चिमी बिन्दु- सर क्रीक (गुजरात) पूर्वी बिन्दु-किबिथु (अरुणाचल प्रदेश) मुख्य भूमि की दक्षिणी सीमा- कन्याकुमारी (तमिलनाडु)	
स्थलीय सीमाओं पर स्थित भारतीय राज्य	
पाकिस्तान (4)	गुजरात, राजस्थान, पंजाब, जम्मू और कश्मीर
अफगानिस्तान (1)	जम्मू और कश्मीर
चीन (5)	लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तरांखंड, सिक्किम,अरुणाचल प्रदेश
नेपाल (5)	उत्तर प्रदेश, उत्तरांखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम
भूटान (4)	सिक्किम, पश्चिम बंगाल, असम, अरुणाचल प्रदेश
बांग्लादेश (5)	पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम
म्यांमार (4)	अरुणाचल प्रदेश,नागालैण्ड, मणिपुर, मिजोरम

बीच से गुजरती है।

- भारत के जिन राज्यों में से होकर कर्क रेखा गुजरती है वे हैं- गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, पश्चिमी बंगाल, त्रिपुरा और मिजोरम ।
- भारत को पाँच प्राकृतिक भागों में बाँटा जा सकता है ।

1. उत्तर का पर्वतीय प्रदेश
2. उत्तर का विशाल मैदान
3. दक्षिण का प्रायद्वीपीय पठार
4. समुद्री तटीय मैदान
5. थार का मरुस्थल

- भारत का मानक समय (Indian Standard Time) इलाहाबाद के पास नैनी से लिया गया है। जिसका देशान्तर 82°30 पूर्वी देशान्तर है। (वर्तमान में मिर्जापुर) यह ग्रीनविच माध्य समय (GMT) से 5 घण्टे 30 मिनट आगे है।
- भारतीय मानक समय की देशांतर रेखा (82°30) उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उड़ीसा एवं आंध्रप्रदेश से गुजरती है।
- भारत की लम्बाई उत्तर से दक्षिण तक 3214 किमी. तथा पूर्व से पश्चिमी तक 2933 किमी. है।
- भारत की समुद्री सीमा मुख्य भूमि, लक्षद्वीप और अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की तटरेखा की कुल लम्बाई 7,516.6 कि.मी है जबकि स्थलीय सीमा की लम्बाई 15,200 किमी. है। भारत की मुख्य भूमि की तटरेखा 6,100 किमी. है।

- इसकी शरुआत उत्तराखंड के टिहरी-गढ़वाल जनपद से की गई थी।
- भारतीय वन सर्वेक्षण (FSI) की स्थापना। जून 1981 में हुई थी।
- पलाश (butea monosperma) के वृक्ष को जंगल की आग (flame of the forest) भी कहा जाता है।

भारत के प्रमुख वानिकी शोध संस्थान

शोध संस्थान	स्थापना	क्षेत्र	राज्य
फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टिट्यूट	1906	देहरादून	उत्तराखंड
एरिड फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टिट्यूट	1985	जोधपुर	राजस्थान
इंस्टिट्यूट आफ वुड साइंस एंड टेक्नोलोजी	1938	बेंगलुरु	कर्नाटक
रेन फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टिट्यूट	1988	जोरहाट	असम
हिमालयन फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टिट्यूट	1977	शिमला	हिमाचल प्रदेश
अडवांस सेंटर फॉर बोयोटेकनोलोजी एंड मेंग्रोव फॉरेस्ट	1977	हेदराबाद	तेलंगाना
ट्रॉपिकल फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टिट्यूट	1988	जबलपुर	मध्यप्रदेश
इंस्टिट्यूट ऑफ फॉरेस्ट प्रोडेक्टिविटी	1993	राँची	झारखंड

अध्याय – 8

प्रमुख खनिज एवं ऊर्जा संसाधन

- दक्षिण अमेरिका में खनिजों का प्रमुख भंडार क्षेत्र पैंटागोनिया का पठार है।
- प्रथ्वी के भू-गर्भ में सबसे अधिक निकेल (Ni) धातु पाई जाती है तथा उसके बाद लोहे (Fe) का स्थान है।
- डोनबास क्षेत्र कोयले के उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है।
- जापान कोबाल्ट अयस्क के उत्पादन में आत्मनिर्भर है।
- रुकवा झील क्षेत्र (तंज़ानिया) कोयला खनिज के उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है।
- अफ्रीका का सर्वाधिक ताँबा उत्पादक देश जाम्बिया है।
- हीरा (diamond) का सबसे बड़ा उत्पादक देश रूस है।
- विश्व में चाँदी (sliver) का सबसे बड़ा उत्पादक देश मेक्सिको है।
- विश्व में बॉक्साइट (bauxite) का सबसे बड़ा उत्पादक देश ऑस्ट्रेलिया है।
- विश्व में टाइटेनियम (titanium) का सबसे बड़ा उत्पादक देश चीन है।
- विश्व में सबसे अधिक एल्युमिनियम (aluminium) उत्पादक देश चीन है।
- जोहान्सबर्ग स्वर्ण खनन हेतु प्रसिद्ध है।

प्रमुख खनिज उत्पादक शीर्ष राष्ट्र

खनिज	शीर्ष उत्पादक राष्ट्र
एल्युमिनियम	चीन, रूस, भारत
बॉक्साइट	ऑस्ट्रेलिया, चीन, गुयाना
क्रोमाइट	दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, कजाखस्तान
कोयला	चीन, भारत, सयुक्त राज्य अमेरिका
कोबोल्ट	कांगो प्र.गण, कैलेडोनिया, चीन
ताबा	चिली, पेरू,चीन
हीरा	रूस, बोत्स्वाना,कनाडा

स्वर्ण	चीन, ऑस्ट्रेलिया, रूस
ग्रेफाइट	चीन, भारत, ब्राजील
जिप्सम	चीन, ईरान, थाईलैंड
लोह अयस्क	चीन, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील
जस्ता	चीन, पेरू, ऑस्ट्रेलिया
मेंगज़ीन अयस्क	दक्षिण अफ्रीका, चीन, ऑस्ट्रेलिया
अभ्रक	ब्राजील, चीन, तुर्की
निकेल	कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, चीन
चाँदी	मेक्सिको, पेरू, चीन
टंग्स्टन	चीन, वियतनाम, रूस
सीसा	चीन, ऑस्ट्रेलिया, पेरू
प्लेटिनम	दक्षिण अफ्रीका, रूस, जिम्बाब्वे
मलिब्डेनम	चीन, सयुक्त राज्य अमेरिका, चिली

- **थोरियम भंडारक शीर्ष राष्ट्र**

क्र.स.	उत्पादक राष्ट्र	भंडारक राष्ट्र
प्रथम	सयुक्त राज्य अमेरिका	वेनेजुअला
द्वितीय	सउदी अरब	सऊदी अरब
तर्तीय	रूस	कनाडा

क्रम	भण्डारक राष्ट्र	भण्डार(टन में)
प्रथम	भारत	963,000
द्वितीय	सयुक्त राज्य अमेरिका	440,000
तर्तीय	ऑस्ट्रेलिया	300,000

- **परमाणु ऊर्जा के दो मुख्य खनिज थोरियम और युरेनियम है ।**
- **पेट्रोलियम के प्रमुख खनन केंद्र**

सं.रा. अमेरिका	अप्लेशियन क्षेत्र, गल्फ तटीय क्षेत्र, कैलीफोर्निया
सउदी अरब	दम्माम, धावर व धहरान
कुवैत	बुरघान पहाड़ी (विश्व का वृहत्तम संचित भंडार
ईरान	लाली, करमशाह, नफ्त सफिद, हप्त केल
पूर्व सोवियत संघ	वोल्गा-यूराल क्षेत्र, बाकू क्षेत्र
इराक	किर्कुक, मोसुल, बसरा, तिकरित

- पेट्रोलियम के निर्यातक की मात्रा के आधार पर देशों का अवरोही क्रम है – सउदी अरब ,रूस एवं ईराक
- बाकू क्षेत्र पेट्रोलियम उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है ।

- **कच्चे तेल के शीर्ष उत्पादक एवं भंडारक राष्ट्र**
- विश्व का सबसे बड़ा प्रमाणित तेल भंडार (certified oil reserve) वेनेजुएला में स्थित है ।
- विश्व के तीन सबसे बड़े कच्चे तेल उत्पादकों देश है –संयुक्त राज्य अमेरिका, सउदी अरब एवं रूस
- दक्षिण-पूर्वी एशिया का सबसे बड़ा खनिज तेल उत्पादक देश इंडोनेशिया है ।
- गैसोहाल(gasohol) का सबसे बड़ा उत्पादक एवं उपभोक्ता ब्राजील देश है ।

- **विश्व के शीर्ष 3 युरेनियम उत्पादक राष्ट्र**

क्रम	उत्पादक राष्ट्र	उत्पादन(टन में)
1	कजखसतान	23,800
2	कनाडा	13,325
3	ऑस्ट्रेलिया	5,672

- विश्व में युरेनियम के सर्वाधिक भंडार ऑस्ट्रेलिया में स्थित है ।
- युरेनियम के प्रमुख अयस्क है - युरेनिनाइट(पिच्ब्लेड),यूरेनाइट एवं थोरियेनाइट
- युरेनियम अयस्क निक्षेप के लिए कनाडा देश प्रसिद्ध है ।
- **पवन ऊर्जा की संभवित क्षमता वाले शीर्ष 4 राष्ट्र**

क्रम	राष्ट्र
1	चीन (33.6 %)
2	स.रा.अमेरिका(17.2%)

3	जर्मनी (10.4 %)
4	भारत (5.8 %)

- विश्व भर में परमाणु ऊर्जा के बाद गैर-पारम्परिक ऊर्जा का दूसरा सबसे बड़ा स्त्रोत पवन ऊर्जा है।
- पर्याप्त उत्पादन के साथ आर्थिक महत्त्व वाले खनिज : लौह अयस्क, मैंगनीज, अभ्रक, कोयला, सोना, इल्मेनाइट, बॉक्साइट व भवन निर्माण सामग्री आदि।
- पर्याप्त संरक्षित भण्डार वाले खनिज : औद्योगिक मिट्टियां, क्रोमाइट, अणु खनिज आदि।
- औद्योगिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण किन्तु अल्प उपलब्धता वाले खनिज : टिन, गन्धक, निकल, तांबा, कोबाल्ट, ग्रेफाइट, पारा, खनिज तेल आदि।
- देश मे प्रमुख खनिजों के संरक्षित भण्डार निम्नानुसार हैं।

- **भारत में लौहा उत्पादित प्रमुख राज्य :-**

स्थान	राज्य	उत्पादन %	प्रमुख जिले
1	**कर्नाटक**	25 %	
2	**उड़ीसा**	22 %	मयूरभंज
3	**छत्तीसगढ़**	20 %	बस्तर, दुर्ग रायगढ, बिलासपुर, मण्डला, बालाघाट सरगूजा
4	**झारखण्ड**	18 %	
5	**गुजरात**		पोरबन्दर, भावनगर, नवागर बड़ोदरा जूनागढ, खाण्डेश्वर
6	**केरल**		कोजीकोडे
7	**राजस्थान**		जयपुर, दौसा, उदयपुर

मैंगनीज (Manganese)

- भारत में मैंगनीज के कुल भण्डार लगभग 23.3 करोड़ टन आँके गयें हैं।

स्थान	राज्य	उत्पादन %	प्रमुख जिले
प्रथम	उड़ीसा	37 %	
दूसरा	महाराष्ट्र	24 %	नागपुर, भण्डारा व रत्नागिरी
तीसरा	मध्यप्रदेश	20 %	बालाघाट छिन्दवाड़ा बिलासपुर, झाबुआ, माडला, घाट, बस्तर, जबलपुर व इंदौर
चतुर्थ	कर्नाटक	16 %	चितलदुर्ग, धारवाड़, बेलगाम, बेलारी, संदूर, शिमोगा, उत्तरीकनारा चिकमंगलूर, बीजापुर
पंचम	झारखण्ड		सिंहभूमि, धनबाद व हजारीबाग
षठम	गुजरात		पंचमहल, बडोदरा
सप्तम	राजस्थान		बांसवाड़ा, गरपुर, उदयपुर सिरोही, पाली

- मैंगनीज के कुल भण्डार की दृष्टि से भारत का विश्व में जिम्बाब्वे के पश्चात् दूसरा स्थान है।
- संरक्षित भण्डारों की दृष्टि से कर्नाटक का देश में 37.8 प्रतिशत के साथ प्रथम स्थान है।
- भारत मैंगनीज उत्पादन में विश्व का पांचवा बड़ा देश हैं।

- **मैंगनीज उत्पादक राज्य निम्न हैं –**

तांबा (Copper)

- विश्व में ताँबा अयस्क (copper ore) का सबसे बड़ा उत्पादक देश चिली है।
- देश में ताँबा सल्फाइड के रूप में मिलता है।
- ताँबा, टिन और सोना आदि के साथ मिश्रित रूप में पाया जाता है।
- ताँबे को टिन में मिलाने पर कांस्य तथा जस्ता के साथ मिलाने पर पीतल बनता है।

- मंगल पर इसकी संभावना है ।
- जीवन की उत्पत्ति के लिए कपास का पौधा अंतरिक्ष पर भेजा गया ।

बुध ग्रह (मरकरी)

- इसका नामकरण रोमन संदेशवाहक देवता के नाम पर हुआ है ।
- इस ग्रह का वायुमंडल नहीं है किन्तु बहुत ही कम मात्रा में वहां ऑक्सीजन पाई जाती है ।
- वायुमंडल ना होने के कारण यह ऊष्मा को रोक नहीं पाता है । जिस कारण दिन में इसका तापमान 420 डिग्री सेल्सियस तथा रात को -180 डिग्री सेल्सियस तापमान हो जाता है अर्थात इस ग्रह पर सर्वाधिक तापांतर 600 डिग्री सेल्सियस का देखा जाता है अतः यहां जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है ।
- वायुमंडल ना होने के कारण इस ग्रह पर सर्वाधिक उल्का पात हुआ है ।
- सबसे बड़ा क्रेटर कोरोलिस बेलिस है ।

शुक्र

- इस ग्रह पर सर्वाधिक मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड पाया जाता है ।
- यह सूर्य से आने वाली सभी ऊष्मा को अवशोषित कर लेता है
- इसे सबसे गर्म तथा चमकीला ग्रह कहते हैं ।
- इसे सौरमंडल की परी कहते हैं
- इस पर प्रेशर कुकर के समान स्थिति पाई जाती है जिस कारण इसे दम घुटने वाला कहते हैं ।
- यह पृथ्वी से समानता रखता है अतः इसे पृथ्वी का सहोदर ,भगिनी ,जुड़वा बहन कहते हैं ।
- यह अपने अक्ष पर उल्टा अर्थात पूर्व से पश्चिम घूमता है जिस कारण यहां सूर्योदय पश्चिम में होता है ।
- यह अपने अक्ष पर 243 दिन में घूर्णन कर लेता है । जबकि सूर्य का परिक्रमण 224 दिन में पूरा करता है ।
- अर्थात इस ग्रह का घूर्णन और परिक्रमण समान है।
- अर्थात इस ग्रह पर एक दिन 1 वर्ष के बराबर होगा ।
- बुध तथा शुक्र के पास उपग्रह नहीं हैं इसके उपग्रह को सूर्य खींच लेता है।

भोर तथा सांझ का तारा

- भोर तथा सांझ में प्रकाश काम रहता है । इसी कारण सूर्य से जब प्रकाश आता है तो बुध तथा शुक्र से टकराकर परिवर्तित होता है ।
- इस परिवर्तित प्रकाश के कारण बुध तथा शुक्र चमकीले दिखते हैं जिससे शुक्र निकट होने के कारण अधिक चमकीला दिखता है ।
- बुध एवं शुक्र दोनों को भोर तथा सांझ का तारा कहते हैं ।

मंगल

- इस पर Tron ऑक्साइड की अधिकता है । जिस कारण यह लाल दिखता है
- यह 25 डिग्री पर झुका हुआ है । जिस कारण इस पर पृथ्वी के समान ऋतु परिवर्तन देकर जाते हैं ।
- इस ग्रह पर जीवन की संभावना सर्वाधिक है ।
- इस ग्रह पर पूरे सौरमंडल का सबसे ऊंचा पर्वत मिक्स ओलंपिया है जिसकी ऊंचाई 30000 किलोमीटर है जो माउंट एवरेस्ट के 3 गुना से भी अधिक ऊंचा है ।

बृहस्पति

- यह सबसे बड़ा ग्रह है , किन्तु यह गैसीय अवस्था में है ।
- इस पर सल्फर डाइऑक्साइड की अधिकता है जिस कारण यह हल्का पीला दिखता है।
- यह एकमात्र ग्रह है जो हिमरहित है।
- यह अपने अक्ष पर सबसे तेज घूर्णन करता है । जो लगभग 9:30 घंटे में पूरा कर लेता है।
- बृहस्पति के 73 उपग्रहों में से केवल 16 उपग्रहों को ही मान्यता प्राप्त है।
- इसका सबसे बड़ा उपग्रह गेनीमेड है।
- बृहस्पति के अत्यधिक विशालता के कारण इसे तारा सदृश्य ग्रह कहते हैं।

शनि ग्रह

- यह सबसे कम घनत्व वाला ग्रह है ।
- इसका घनत्व .7gm/cm³ है ।
- कम घनत्व के कारण यह ह पानी में नहीं डूबेगा इस ग्रह के चारों ओर 7 छल्ले हैं ।
- जिन्हें ए ,बी ,सी, डी, ई ,एफ ,जी कहते हैं ।यह वलय इसी ग्रह का टुकड़ा है जो शनि के गुरुत्वाकर्षण के कारण इसी के समीप रहता है
- इन छल्लों के कारण ही शनि को आकाशगंगा सदृश ग्रह कहते हैं ।

नोट – प्रिय पाठकों ,यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"दिल्ली पुलिस हेड कांस्टेबल – 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 9694804063, 8504091672, 8233195718, 9887809083

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)

RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

& Many More Exams

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैंनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैंनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें ।

संपर्क करें- 8233195718, 9694804063, 8504091672, 9887809083

ONLINE ORDER के लिए OFFICIAL WEBSITE	Website- https://bit.ly/3bBhp0X
PHONE NUMBER	+918233195718 +918504091672 9694804063 01414045784,
TELEGRAM CHANNEL	https://t.me/infusion_notes
FACEBOOK PAGE	https://www.facebook.com/infusion.notes
WHATSAPP करें →	https://wa.link/7rmac6

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 3
मुद्रा एवं बैंकिंग

मुद्रा (Money)

- कोई भी वस्तु जो सभी प्रकार के आर्थिक व्यवहारों को पूरा करने में तथा भुगतान के माध्यम के रूप में सामन्यतया स्वीकार की जाती हैं ,उसे मुद्रा(money) कहते हैं ।
- भारत में सर्वप्रथम कागजी मुद्रा(paper money) की शुरुआत वर्ष 1862 में की गई थी ।
- धातु मुद्रा में बाहरी मूल्य(face value) के साथ-साथ आन्तरिक मूल्य(intrinsic value) भी निहित होती है।
- विदेशी मुद्रा जिसमें त्वरित प्रवास की प्रवति (quick migration trend) होती है , गर्म मुद्रा(hot money) कहलाती है ।
- स्मार्ट मनी या प्लास्टिक मनी शब्द का प्रयोग क्रेडिट /डेबिट कार्ड के लिए किया जाता है ।
- बिटकॉइन क्रिप्टोकरेंसी(bitcoin cryptocurrency) का प्रचलन सातोशी नाकामोतो ने किया था ।
- वह मुद्रा जिसका वास्तविक एव अंकित मूल्य बराबर हो ,उसे प्रामाणिक मुद्रा(Standerd money) कहते है ।
- विशेष आहरण अधिकार(special drawing right – SDR) क्रत्रिम मुद्रा (Artificial money) का उदाहरण है ।
- जिस मुद्रा की विश्व बाजार में आपूर्ति की अपेक्षा मांग अधिक हो तो इस प्रकार की मुद्रा को दुर्लभ मुद्रा (hard currency) कहा जाता है ।
- वह मुद्रा जिसकी आपूर्ति मांग की अपेक्षा अधिक हो तो इस प्रकार की मुद्रा सॉफ्ट करेंसी (soft currency) कहलाती है ।
- भारत में सिक्कों की ढलाई मुबई ,कोलकाता तथा हेदराबाद में होती है ।
- 1 रुपये का नोट एवम् सभी सिक्कें भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा जारी किये जाते है ,1 रुपये के नोट पर वित्त सचिव के हस्ताक्षर होते हैं ,जबकि एक रुपय से ऊपर के अन्य करेसी नोट RBI द्वारा जारी किये जाते है ,जिन पर RBI बैंक के गवर्नर के हस्ताक्षर होते है ।
- अर्थव्यवस्था में ऊची कीमतों का होना मुद्रा प्रसार (currency Expansion) कहलाता है ।
- भारतीय रुपया वर्ष 1957 तक 16 आनों में विभाजित था । इसके पश्चात दाशमिक मुद्रा प्रणाली(decimal currency system) अपनायी गई और । रूपये को 100 समान पैसों में बाँटा गया ।
- RBI द्वारा जारी नोटों में 17 भाषओं का प्रयोग होता है ।
- भारत में मुद्रा एव साख का नियन्त्रण भारतीय रिजर्व बैंक(RBI)के द्वारा किया जाता है ।
- वर्ष 2020 तक एक वैश्विक डिजिटल करेंसी Libra तथा एक डिजिटल वालेट calibra जारी करने की घोषणा फेसबुक(facebook) ने की ।

बैंकिंग(Banking)

- ऐसी संस्थान जो किसी देश के वित्तीय व्यवहार में भागीदार होती हैं ,बैंक कहलाती हैं । बैंकों और इसी तरह के संस्थानों की व्यवसायिक गतिविधियां बैंकिंग(Banking) कहलाती है ।
- सर्वप्रथम आधुनिक बैंकिंग का विकास वर्ष 1609 में नीदरलैंड में हुआ ।
- **भारत में Banking** व्यवस्था में सर्वोच्च स्थान RBI का है RBI की स्थापना, RBI 1 April अधिनियम 1934 के अन्तर्गत 1935 में की गई थी
- RBI को केन्द्रीय बैंक / बैंकों का बैंक कहा जाता है ।
- 1 Jan 1949 इसका राष्ट्रीयकरण किया गया एवम् भारत सरकार के अधीन लाया गया RBI के प्रथम governor sir ओस्बोर्न स्मिथ थे ।
- RBI के प्रथम भारतीय governor C.D. Desh mukh थे
- वर्तमान में RBI के गवर्नर शक्तिकांत दास(25 वे) हैं ।
- RBI भारत में मौद्रिक नीतियाँ जारी करती हैं जिसके माध्यम से यह तरलता को नियंत्रित करती हैं
- RBI भारत में विदेशी मुद्रा का भण्डारन करती हैं भारत अपने विदेशी मुद्रा कोष मे अमेरिकी डोलर, पांड, यूरो, यन एवम् सोना रखता है।
- RBI को 10,000 तक के करेंसी नोट छापने का अधिकार प्राप्त है ।
- भारत में स्थापित पहली बैंक Bank of Hindustan थी इसकी स्थापना Alexandey and Company 1770 में की थी कुछ समय बाद यह बैंक बन्द हो गई।

- East India company के एक के बाद एक तीन अन्य बैंकों की स्थापना की
  1806-Bank of Bengal.
  1840 - Bank of Bombay
  1843- Bank of Madras
- 1865 में allahabad Bank की स्थापना की गई जी उसी नाम के भारत की प्राचीनतम बैंक हैं इस बैंक का मुख्यालय कोलकाता में हैं ।
- भारत में प्रथम महिला बैंक की स्थापना 19 नवम्बर ,2013 को मुंबई में की गयी थी ।
- 1881 में outh Commercial Bank की स्थापना की गई जो की भारत की ऐसी पहली बैंक थी जिसके शेयर धारक बनाए गए
- 1894 में PNB की स्थापना की गई यह भारत की प्रथम पूर्णतः भारतीय बैंक रही हैं जिसमें विदेशी निवेश नहीं था ।
- 1921 में Bank of Bengal , Bank of Bombay and Bank of Madras को विलय कर दिया गया तथा इस विलय से इन्पेरिअल बैंक ऑफ़ इंडिया की स्थापना की गई ।
- आजादी के उपरान्त वर्ष 1955 में Imperial Bank of India को भारत सरकार ने अपने अधीन ले लिया एवं इसका नाम परिवर्तित कर state Bank of India कर दिया गया
- भारत में बैंकों को दो प्रमुख श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता ।
  अनुसूचित बैंक (scheduled Bank)
  गैर अनुसूचित बैंक (Non scheduled Bank)
- इन्द्रधनुष योजना का संबंध बैंकों की वितीय सुधार से है ।

- **सार्वजानिक क्षेत्र के 12 बैंक**

बैंक	मुख्यालय	मुख्य	टैगलाइन
बैंक ऑफ़ महाराष्ट्र	पुणे	A.S Rajeev	one family one bank
बैंक ऑफ़ इंडिया	मुंबई	अतानु कुमार दास	relationship beyound
			banking
पंजाब एंड सिंध बैंक	new delhi	s.हरिशंकर	where service is a way of life
uco बैंक	कोलकाता	अतुल कुमार गोयल	honours your trust
बैंक ऑफ़ बड़ोंदा	बडोंदा	संजीव चढ़ा	india's international bank
केनरा बैंक			
यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया	मुंबई	राजकिरण राय	good people to bank with
इंडियन ओवरसीज़ बैंक			
सेंटल बैंक ऑफ़ इंडिया			
पंजाब नेशनल बैंक	new delhi	s.s मलिकार्जुन राव	the name you can bank upon
इंडियन बैंक			
भारतीय स्टेट बैंक	मुंबई	दिनेश कुमार खरा	us,the bank to every indian

- वणिज्यक बैंक संघ सूची के अंतर्गत आते है।
- वर्ष 2008 में वितीय क्षेत्रो में सुधार हेतु जिस समिति का गठन किया गया ,उसके अध्यक्ष रघुराम राजन थे ।

अध्याय – 3
संविधान की विशेषताएं

- ➢ **भारत का संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान** है जिसमें एक प्रस्तावना, 395 अनुच्छेद 22 भाग, 8 अनुसूचियां थी,
- ➢ वर्तमान में 465 अनुच्छेद 25 भाग 12 अनुसूचियां हैं।
- ➢ अमेरिका का संविधान सबसे छोटा लिखित संविधान है ।
- अलिखित (ब्रिटेन)

- ➢ भारत में संसदीय प्रणाली लागू है। जो ब्रिटेन से ली गई है।
- ➢ अमेरिका में अध्यक्षीय प्रणाली लागू है।
- ➢ संविधान की प्रस्तावना को संविधान की कुंजी कहा जाता है ।
- ➢ प्रस्तावना संविधान का आरम्भिक अंग होते हुए भी कानूनी तौर पर उसका भाग नही माना जाता है ।
- ➢ प्रस्तावना के अनुसार संविधान के अधीन समस्त शक्तियों का केंद्रबिंदु अथवा स्त्रोत भारत के लोग ही हैं ।
- ➢ प्रस्तावना में लिखित शब्द यथा हम भारत के लोग इस संविधान को अंगीकृत अधिनियमित और आत्मसमर्पण करते हैं । लिखित संविधान की अवधारणा फ्रांस की देन है ।
- ➢ भारतीय संविधान अंशतः कठोर और अंशतः लचीला है ।
- ➢ भारतीय राजनीतिक व्यवस्था में संविधान सर्वोच्च है । भारत का संविधान अपना प्राधिकार भारत की जनता से प्राप्त कर्ता है ।
- ➢ भारत के संविधान में संघीय शासन शब्द का प्रयोग कहीं भी नही किया गया है । संविधान में भारत को राज्यों का संघ घोषित किया गया है।
- ➢ भारत सरकार अधिनियम 1935 वह संवैधानिक दस्तावेज है जिसका भारतीय संविधान तैयार करने में गहरा प्रभाव पड़ा ।
- ➢ भारतीय संविधान के बड़े होने का कारण संघ तथा राज्यों का एकल संविधान
- ➢ भारत की न्यायपालिका एकीकृत एवं स्वतंत्र है।
- सुप्रीम कोर्ट (SC)
- 25 हाइकोर्ट (HC)
- अधीनस्थ कोर्ट (DC)

राज्य के नीति निदेशक तत्व

- यह तीन वर्गों में विभाजित किया जा सकता है।

b) सामाजिक
c) गांधीवादी
d) उदार बौद्धिक

- उद्देश्य कल्याणकारी राज्य की स्थापना ।
- मिनर्वा मिल्स मामले 1980 में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि भारतीय संविधान की नीव मौलिक अधिकारो, नीति निदेशक सिद्धान्तों के संतुलन पर रखी गई है।

मौलिक कर्तव्य

- ▪ मूल संविधान में मौलिक कर्तव्यों का उल्लेख नहीं किया गया था ।
- ▪ स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिश पर 1976 के 42वें संशोधन में जोड़ा गया ।
- ▪ 11 वां कर्तव्य 86 वें संशोधन 2002 में जोड़ा गया ।

एक धर्मनिरपेक्ष राज्य

- भारत का संविधान धर्मनिरपेक्ष है।
- प्रस्तावना में यह शब्द 42 वें संशोधन 1976 में जोड़ा गया ।

सार्वभौम वयस्क मताधिकार

- 1989 में 61वें संविधान संशोधन में 1988 के द्वारा मतदान करने की उम्र 21 से घटाकर 18 कर दी गई।

एकल नागरिकता

- भारतीय संविधान फ्रेडरल हैं और दो लक्षणो (एकल व संघीय) का प्रतिनिधित्व करता है। मगर इसमें केवल एक नागरिकता का प्राविधान है।
- अमेरिका में द्वि नागरिकता की व्यवस्था है।

स्वतंत्र निकाय

- E.C (निर्वाचन आयोग)
- CAG
- UPSC
- SPSC

आपातकालीन प्रबन्ध

- राष्ट्रीय आपात काल (Art - 352)

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – II

उच्चतम न्यायालय

- 1793 में कार्नवालिस के शासनकाल में निचली अदालतों का गठन किया गया।
- 1861 में इंडियन काउंसलिंग एक्ट के अनुसार पहली तीन उच्च न्यायालय का गठन किया गया।
- 1935 में गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट के तहत फेडरल कोर्ट का गठन किया गया। यही वर्तमान सर्वोच्च न्यायालय है। इन अदालतों की दंड प्रणाली एवं कार्य प्रणाली ब्रिटिश काल में ही निर्मित हो गई थी
- 1860 में आईपीसी इंडियन पैनल कोर्ट का गठन हुआ। 1862 में इसे लागू कर दिया गया।
- 1908 में सिविल प्रोसेशन कोर्ट अस्तित्व में है।
- 1973 में क्रिमिनल कोर्ट प्रोसेशन कोर्ट अस्तित्व में आई।
- भारत में उच्चतम न्यायालय सर्वोच्च न्यायालय का उद्घाटन 28 जनवरी 1950 को हुआ। (सर्वोच्च न्यायालय)
- सशस्त्र सेना न्यायाधिकरण अधिनियम 2007 के प्रावधान के अनुसार कोर्ट मार्शल की अपील सुप्रीम कोर्ट में की जा सकती है।
- भारत के सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या में वृद्धि करने की शक्ति सांसद की है।
- फेडरल कोर्ट संसद से अधिक शक्तिशाली है।
- U.K. में संसदीय संप्रभुता की स्थिति है। संसद, न्यायपालिका की स्थिति में श्रेष्ठ है। भारत में संसदीय संप्रभुता और न्याय व्यवस्था के मध्य की स्थिति को अपनाया गया।
- संविधान के दायरे में दोनों ही शक्तिशाली है।
- भारतीय संविधान का संरक्षक सर्वोच्च न्यायालय है ।

भारतीय सर्वोच्च न्यायालय (आर्टिकल –124)

- 1773 में रेगुलेटिंग एक्ट के आधार पर कोलकाता में एक सुप्रीम कोर्ट की स्थापना की गई, परंतु वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट 1935 के फेडरल कोर्ट का उत्तराधिकारी है। 26 जनवरी 1950 से अस्तित्व में है।
- मूल संविधान में सुप्रीम कोर्ट में एक मुख्य न्यायाधीश तथा सात अन्य न्यायाधीशों का प्रावधान है। वर्तमान में एक मुख्य न्यायाधीश व 30 अन्य न्यायाधीश हैं । इन न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति के नाम पर की जाती है। परंतु 1993 से ही सुप्रीम कोर्ट का कॉलेजियम निर्णायक भूमिका निभा रहा है।
- इस कॉलेजियम में मुख्य न्यायाधीश के साथ चार वरिष्ठतम न्यायाधीश हैं।
- राष्ट्रपति के द्वारा सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों को शपथ दिलाई जाती है तथा यह अपना त्यागपत्र राष्ट्रपति को ही संबोधित करते हैं।
- सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति के पश्चात भारत में कहीं भी वकालत नहीं कर सकते।
- [जब सुप्रीम कोर्ट किसी व्यक्ति अथवा संस्था को उसके दायित्व के निर्वहन हेतु लेख जारी करता है तो उसे परमादेश (मेंडमस) कहते हैं।]

सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की अर्हता (योग्यता)

- किसी उच्च न्यायालय में कम से कम 5 वर्ष तक न्यायाधीश रहा हो।
- किसी उच्च न्यायालय में कम से कम 10 वर्षों तक अधिवक्ता रहा हो।
- राष्ट्रपति की राय में पारंगत विधिवेत्ता रहा हो।
- H. J. Kania सर्वोच्च न्यायालय के पहले मुख्य न्यायाधीश थे।
- K. N. Singh मात्र 18 दिन तक ही मुख्य न्यायाधीश रहे।
- राजेंद्र बाबू मात्र 23 दिन तक ही मुख्य न्यायाधीश रहे।
- Y. V. Chandchurn भारत के सबसे अधिक समय तक सीजीआई थे।
- 1973 में ए. एन. राय को वरिष्ठता क्रम का उल्लंघन करते हुए सीजेआई बनाया गया।
- फातिमा बीवी पहली महिला न्यायाधीश थी। (सुप्रीम कोर्ट)
- अन्य महिला न्यायाधीश हैं - सुजाता मनोहर, रुमा पाल, ज्ञान - सुधा – मिश्रा, रंजना प्रकाश देसाई।
- अनुच्छेद 122 में न्यायालयों द्वारा संसद की कार्यवाहीयों की जांच ना किया जाना, का प्रावधान है।
- [महान्यायवादी, इसे संसद की कार्यवाही में भाग लेने का तो अधिकार है, लेकिन वोट डालने का नहीं।]
- [महान्यायवादी, जो संसद का सदस्य नहीं होता, परंतु उसे संसद को संबोधित करने का अधिकार है।]
- [महान्यायवादी को उसके पद से महाभियोग द्वारा हटाया जा सकता है।]

➢ सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश और कार्यकाल के बीच से केवल संसद द्वारा ही हटाया जा सकता है।

अध्याय – 18
नीति आयोग

- नीति आयोग(राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्थान) भारत सरकार द्वारा गठित एक नई संस्थान है, जिसे योजना आयोग के स्थान पर बनाया गया है |
- इस संस्थान ने एक जनवरी 2015 से एक कार्य करना प्रारंभ किया है | यह संस्थान सरकार के थिंक टैंक के रूप में सेवाएं प्रदान करेगा और उसे निर्देशात्मक एवं नीतिगत गतिशीलता प्रदान करेगा |

नीति आयोग की संरचना

- नीति आयोग की संरचना इस प्रकार है
- भारत के प्रधानमंत्री अध्यक्ष |
- गवर्निंग काउंसिल में राज्यों के मुख्यमंत्री और केंद्र शासित प्रदेशों (जिन केंद्र शासित प्रदेशों में विधानसभा हैं, वहां के मुख्यमंत्री) के उपराज्यपाल शामिल होंगे|
- विशिष्ट मुद्दों और ऐसे आकस्मिक मामले जिनका संबंध एक से अधिक राज्य या क्षेत्र से हो, को देखने के लिए क्षेत्रीय परिषद गठित की जाएगी | यह परिषदें विशिष्ट कार्यकाल के लिए बनाई जाएंगी | भारत के प्रधानमंत्री के निर्देश पर क्षेत्रीय परिषदों की बैठक होगी | और इनमें संबंधित क्षेत्र के राज्यों के मुख्यमंत्री और केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल शामिल होंगे (उनकी अध्यक्षता नीति आयोग के उपाध्यक्ष करेंगे)
- संबंधित कार्य क्षेत्र की जानकारी रखने वाले विशेषज्ञ और कार्यरत लोग विशेष आमंत्रित के रूप में प्रधानमंत्री द्वारा नामित किए जाएंगे |
- पूर्णकालिक संगठनात्मक ढांचे में (प्रधानमंत्री अध्यक्ष होने के अलावा) निम्न होंगे
  (1). उपाध्यक्ष: प्रधानमंत्री द्वारा नियुक्त |
  (2). सदस्य: पूर्णकालिक
  (3). अंशकालिक सदस्य : अग्रणी विश्वविद्यालयों में शोध संस्थानों और संबंधित संस्थानों से अधिकतम दो पदेन सदस्य अंशकालिक सदस्य क्रमानुसार होंगे |
  (4). पदेन सदस्य : केंद्रीय मंत्री परिषद से अधिकतम चार सदस्य प्रधानमंत्री द्वारा नामित होंगे | यदि बारी के आधार को प्राथमिकता दी जाती है तो यह नियुक्ति विशिष्ट कार्यकाल के लिए होगी |
- राष्ट्रीय विकास परिषद् की स्थापना अगस्त 1954 में की गई थी
- नीति आयोग गैर-संवैधानिक निकाय है |

नीति आयोग के वर्तमान सदस्य :-

पद	नाम
अध्यक्ष	श्री नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री
उपाध्यक्ष	डॉ राजीव कुमार
मुख्य कार्यकारी	अभिताभ कांत (CEO)
पूर्णकालिक सदस्य	रमेश चंद्र ,बी.के.सारस्वत,डॉ वी.के. पाल
पदेन सदस्य	श्री राजनाथ सिंह,केंद्रीय मंत्री

भारत के वित्त आयोग

क्र.स.	गठन	अध्यक्ष का नाम	अनुशंसा वर्ष
पहला	1951	के.सी.नियोगी	1952-57
दूसरा	1956	के. संथानम	1957-62
तीसरा	1960	ए.के. चंद्रा	1962-66
चौथा	1964	डॉ. पी.वी. राजा मन्नार	1966-69
पाँचवाँ	1968	महावीर त्यागी	1969-74
छठा	1972	ब्रह्मानन्द रेड्डी	1974-79
सातवाँ	1977	जे.एम.शेलेट	1979-84
आठवाँ	1982	वाई.वी. चव्हाण	1984-89
नौवाँ	1987	एन. के.पी. साल्वे	1989-95
दसवाँ	1992	के.सी. पन्त	1995-2000

- राष्ट्रपति का निर्वाचन और निर्वाचन की रीति (अनुच्छेद 54, 55)
- केंद्र और राज्यों की कार्यकारी शक्तियों में विस्तार
- सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय (अनुच्छेद 124 और 214)
- केंद्र और राज्यों के बीच विधायी शक्तियों का वितरण
- सातवीं अनुसूची (अनुच्छेद 246)
- संसद में राज्यों का प्रतिनिधित्व
- अनुच्छेद 368

हालिया संविधान संशोधन

99वां संशोधन 2014	राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग
100वां संशोधन 2015	भारत और बांग्लादेश के बीच सीमा क्षेत्र में कुछ भू-भागों का आदान-प्रदान
101वां संशोधन 2017	1 जुलाई 2017 से वस्तु एवं सेवा कर को लागू किया जाना
102वां संशोधन 2018	राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा
103वां संशोधन 2019	103वें संशोधन के माध्यम से आर्थिक रूप से पिछलड़े वर्गों के लिए 10% आरक्षण।
104वां संशोधन 2020	लोकसभा और राज्य विधानसभा में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण की समय सीमा में वृद्धि

संविधान संशोधन (अनु. 368)

- संशोधन की प्रक्रिया को बताया गया है। संविधान संशोधन की तीन विधियों को अपनाया गया है।

1. साधारण बहुमत द्वारा संशोधन
2. विशेष बहुमत द्वारा संशोधन
3. विशेष बहुमत तथा आधे से अधिक राज्य के विधान मंडलों के अनुमोदन द्वारा संशोधन

विविध

- **महत्वपूर्ण दिवस**

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दिवस 2021

जनवरी	**समारोह की तिथि**
प्रवासी भारतीय दिवस	09 जनवरी
राष्ट्रीय युवा दिवस	12 जनवरी
सड़क सुरक्षा सप्ताह	11 - 17 जनवरी
सेना दिवस	15 जनवरी
राष्ट्रीय बालिका दिवस	24 जनवरी
सुभाष चन्द्र का जन्मदिन	23 जनवरी
गणतंत्र दिवस - 26 जनवरी	26 जनवरी
शहीद दिवस	30 जनवरी
फरवरी	**समारोह की तिथि**
विश्व कैंसर दिवस	4 फरवरी
वेलेंटाइन्स डे	14 फरवरी
संत रविदास जयंती	27 फरवरी
राष्ट्रीय विज्ञान दिवस	28 फरवरी
मार्च	**समारोह की तिथि**
राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस	4 मार्च
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस	8 मार्च
ऑर्डिनेंस फैक्ट्री डे	18 मार्च
विश्व जल दिवस	22 मार्च
शहीद दिवस	23 मार्च and 30 जनवरी

स्वतः चालक	चार्ल्स केटरिंग	सं.रा. अमेरिका	1911
टेलीफोन	ग्राहम बेल	सं.रा. अमेरिका	1876
टेलीविजन (इलेक्ट्रॉनिक)	टेलर फारंवर्थ	सं.रा. अमेरिका	1927
टेलीविजन (यांत्रिकी)	जे.एल. बेयर्ड	ब्रिटेन	1926
टेलीस्कोप	हैन्स लैपरसी	नीदरलैण्ड्स	1608
टेलीग्राफ कोड	सैमुअल मोर्स	सं.रा. अमेरिका	1837
टेलीग्राफ (यान्त्रिक)	एम. लैमाण्ड	फ्रांस	1787
सुपर कंडक्टिविटी	एच.के. ओनेस	नीदरलैण्ड्स	1911
रिवाल्वर	सैमुअल कोल्ट	सं.रा. अमेरिका	1935
रिकार्ड (लांग-प्लेइंग)	डॉ. पीटर गोल्डमार्क	सं.रा. अमेरिका	1948
पार्किंग मीटर	कार्लटन मैगी	सं.रा. अमेरिका	1935
स्लाइड पैमाना	विलियम ओफट्रेड	ब्रिटेन	1621
सेलुलाइट	अलेक्जेण्डर पार्कस	ब्रिटेन	1861
रेडार	डॉ. अल्बर्ट टेलर व लियो यंग	सं.रा. अमेरिका	1922
रबड़ (वल्कनीकृत)	चार्ल्स गुडइयर	सं.रा. अमेरिका	1841
रबड़ (टायर)	थॉमस हॉनकाक	ब्रिटेन	1846
रबड़ (जलरोधी)	चार्ल्स मैकिनटोस	ब्रिटेन	1823
रबड़ (पौधों का दूध)	डनलप रबड़ कंपनी	ब्रिटेन	1928
स्काईस्क्रेपर	विलियम जेनी	सं.रा. अमेरिका	1882
सीमेण्ट (पोर्टलैण्ड)	जोसेफ ऐस्पडीन	ब्रिटेन	1824
पाश्चुरीकरण	लुई पाश्चर	फ्रांस	1867
रेडियो टेलीग्राफी	डेविड एडवर्ड ह्यूज	ब्रिटेन	1879
रेडियो टेलीग्राफी	जी. मार्कोनी	इटली	1901
सेफ्टी मैच	जॉन बाकर	ब्रिटेन	1826

- ***भारत के प्रमुख खेल***

राष्ट्रमंडल खेल

❖ राष्ट्रमंडल खेल की कल्पना सन् 1891 में एक अंग्रेज "जे. एस्ले कपूर" ने की थी।
❖ राष्ट्रमंडल खेलों की शुरुआत 1930ई. में हेमिल्टन(बरमूडा) में हुई थी।
❖ राष्ट्रमंडल खेल का नाम ब्रिटिश साम्राज्य तथा सन् 1954 राष्ट्रमंडल खेल रखा गया।
❖ सन् 1908 के ओलम्पिक के बाद रिचर्ड कूम्बस नामक ऑस्ट्रेलियाई नागरिक के द्वारा उसके सुझाव को मंजूरी दे दी गई।
❖ 1934ई. में लंदन में होने वाले दूसरे राष्ट्रमंडल खेल में भारत ने पहली बार भाग लिया था।
❖ राष्ट्रमंडल खेल प्रत्येक चार वर्षों पर दो ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेलों के बीच में होता है।
❖ राष्ट्रमंडल खेल कभी भी लगातार एक ही देश में नहीं होते हैं।
❖ राष्ट्रमंडल खेल में राष्ट्रमंडल के सदस्य देशों की टीम में भाग ले सकते हैं।

एशियाई खेल

➢ सन् 1947 में नई दिल्ली में एशियाई देशों के सम्मेलन में एशियाई देशों की अन्तर्राष्ट्रीय खेलों की स्पर्द्धा हर चार वर्ष पर आयोजित करने की योजना बनायी गई।
➢ प्रो. जी.डी. सोढी को इस प्रस्ताव का श्रेय जाता है, जिनका उद्देश्य खेलों के माध्यम से एशियाई देशों को एक-साथ करना था।
➢ एशियाई खेल संघ ने चमकते सूर्य को अपना प्रतीक चिह्न घोषित किया।

नोट – प्रिय पाठकों ,यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"दिल्ली पुलिस हेड कांस्टेबल – 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 9694804063, 8504091672, 8233195718, 9887809083

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)

RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

& Many More Exams

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें- 8233195718, 9694804063, 8504091672, 9887809083

ONLINE ORDER के लिए OFFICIAL WEBSITE	Website- https://bit.ly/3bBhp0X
PHONE NUMBER	+918233195718 +918504091672 9694804063 01414045784,
TELEGRAM CHANNEL	https://t.me/infusion_notes
FACEBOOK PAGE	https://www.facebook.com/infusion.notes
WHATSAPP करें	https://wa.link/7rmac6

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO FREE SAMPLE

INFUSION NOTES

WHEN ONLY THE BEST WILL DO

AVAILABLE ON/

01414045784

contact@infusionnotes.com

http://www.infusionnotes.com/

“दिल्ली पुलिस हेड कांस्टेबल – 2022 ” (SSC EXAM)

भाग - 1 सामान्य अध्ययन

भाग - 2 गणित

भाग - 3 सामान्य विज्ञान + कम्प्यूटर

भाग - 4 रीजनिंग

*इन नोट्स में “**दिल्ली पुलिस हेड कांस्टेबल – 2022” भर्ती परीक्षा’** का कम्पलीट सिलेबस (पाठ्यक्रम) शामिल किया गया है , जो लगभग 1000 पेज में और **चार भागों में** समाप्त किया गया है / इनको छात्रों को पढ़ने में सिर्फ **डेढ़ से दो माह** का समय लगेगा /*

नोट्स की विशेषताएं -

इन नोट्स में क्या क्या शामिल है -

1) “**दिल्ली पुलिस हेड कांस्टेबल – 2022”** का कम्पलीट सिलेबस (पाठ्यक्रम) शामिल किया गया है जो **चार भागों में** तैयार किया गया है/ सिलेबस के अलावा उसी से जुडी हुई ऐसी जानकारी जो परीक्षा की द्रष्टि से महत्वपूर्ण है
2) पिछले वर्षों में आये हुए प्रश्नों का विश्लेषण करके जो टॉपिक अधिक महत्त्वपूर्ण लगे हैं उन पर अधिक ध्यान दिया गया है

3) सभी नोट्स HANDWRITTEN हैं जो नवीनतम रूप से तैयार किये गये है , साफ - साफ लेखन कार्य किया गया हैं
4) हमने इन नोट्स में TRICKS डाली हैं , जिससे फैक्ट्स को आसानी से याद किया जा सके
5) सिर्फ उतनी ही जानकारी को शामिल किया गया हैं , जो परीक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, अनावश्यक जानकारी को हटा दिया गया है
6) रिवीजन के लिए अंत में शोर्ट में वनलाइनर रिवीजन तथ्य भी दिए गये है

ये नोट्स निम्नलिखित लोगों के द्वारा तैयार किये गये हैं –

1) दिल्ली की प्रसिद्ध , प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थानों की BEST FACULTIES द्वारा तैयार किये गये हैं , जो अपने अपने विषयों में निपुण हैं तथा जिन्हें "**(दिल्ली पुलिस हेड कांस्टेबल – 2022)**" का कोर्स पढ़ाने का काफी अनुभव है
2) कुछ टॉपर्स से हमारा टाई अप है जो फ़िलहाल नौकरी कर रहे है लेकिन आप लोगों को आगे बढ़ाने के लिए वो हमनें अपने इनपुट्स देते हैं और हमने उनको इन नोट्स में शामिल लिया है
3) इसके अलावा INFUSION NOTES की अपनी एक अलग टीम है जिसमे सभी अपने अपने विषयों के एक्सपर्ट्स हैं , वो लोग इनको रिव्यु करके अंतिम रूप से तैयार करते है

ये नोट्स आपकी सफलता में कैसे मदद करेंगे –

1. नोट्स को एक्सपर्ट टीम ने तैयार किया है , जो कोचिंग संस्थानों पर पढ़ाते हैं , इसलिए नोट्स की भाषा इतनी सरल है की कोई भी तथ्य एक बार पढने से समझ में आ जाएगा / नोट्स को खुद से ही आसानी से समझा जा सकता है

इसलिए कोचिंग करने की कोई आवश्यकता नही है , इससे हजारों रूपये की कोचिंग फीस बचेगी ।

2. सारा मटेरियल सिलेबस और पिछले वर्षों में आये हुए प्रश्नों के आधार पर तैयार किया गया हैं तो अनावश्यक डाटा को पढने से बचेंगे साथ ही कम से कम समय में पूरा पाठ्यक्रम समाप्त हो जाएगा ,
3. इसके आलावा हमारे एक्सपर्ट्स आपको समय - समय पर बताते रहेंगे की तैयारी कैसे - कैसे करनी है
4. इन नोट्स को कुछ इस तरह से भी तैयार किया गया है , की यदि किसी कारणवश छात्र का एग्जाम नही निकलता है तो उसमे जो जानकारी दी गयी वो किसी अन्य परीक्षा में भी काम आ सकती है , अर्थात् छात्र इनको पढ़कर किसी अन्य एग्जाम में भी APPEAR हो सकता है ।
5. इन नोट्स को इस तरह से तैयर किया गया है कि इनको सभी तरह के छात्र आसानी से पढ़ सकते है , जैसे कमजोर छात्र , मीडियम छात्र , एक्सपर्ट्स छात्र ।

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO